सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

माइग्रेन को लेकर आपके मन में हैं ये भ्रम? तो जानें इनके पीछे की पेज: 7

बचपन का अनुशासन बॉलीवुड में काम आया पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 110 | शुक्रवार 24 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

राज ठाकरे का सीधा अल्टीमेटम: मुंबई में छात्र विरोध के खिलाफ आए तो...

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने गुरुवार को मुंबई में 26 जुलाई को होने वाले विरोध प्रदर्शन से पहले संभावित असामाजिक तत्वों को कड़ी चेतावनी दी। एमएनएस प्रमुख ने कहा कि जो कोई भी रविवार को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में बाधा डालने की कोशिश करेगा, उसकी पिटाई की जाएगी। राज ठाकरे का यह बयान तब आया है जब एमएनएस और शिवसेना ने छात्रों के समर्थन में एक संयुक्त विरोध मार्च निकालने की घोषणा की है। पिछले कुछ दिनों में, मुंबई में जंतर-मंतर आंदोलन के समर्थन में विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिनमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई है। राज और उद्धव ठाकरे ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दिपके को अपना समर्थन दिया है, जो इस समय दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यूटीबी प्रमुख ने दिल्ली का दौरा भी किया और अपना समर्थन जताने के लिए

'आपने युवाओं के भविष्य को सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचाया': नीट पेपर लीक पर राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तीखा पलटवार

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नीट पेपर लीक विवाद को लेकर सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य को तबाह करने का गंभीर आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता की यह तीखी प्रतिक्रिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस हालिया बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने पेपर लीक के दोषियों को जल्द से जल्द सख्त सजा दिलाने के लिए विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि युवाओं का कल्याण और भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। 'आपने शिक्षा व्यवस्था पर कब्जा और उसे बर्बाद होने दिया'

पर एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था पर "कब्जा कर लिया गया है और उसे बर्बाद कर दिया गया है" और सरकार पर इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों को बचाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा, "आप ही हैं जिन्होंने हमारे युवाओं के भविष्य को सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचाया है। आपने हमारी शिक्षा व्यवस्था पर पूरी तरह कब्जा करने और उसे बर्बाद करने की इजाजत दी और उसे बढ़ावा दिया - और इसके लिए ज़िम्मेदार हर व्यक्ति को बचाया।" छात्रों की मांगों को दोहराते हुए, राहुल गांधी ने ये मांगें रखीं: धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करें। छात्रों से माफी मांगें। उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करें जिन्होंने उनके साथ मारपीट की। पीएम मोदी ने पेपर लीक के दोषियों के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट की घोषणा की इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश के युवाओं का कल्याण और हित

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश के करोड़ों युवाओं.....

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को नीट पेपर लीक विवाद को लेकर सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश के करोड़ों युवाओं के भविष्य को तबाह करने का गंभीर आरोप लगाया है।

सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और जो कोई भी उनके भविष्य को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। नीट पेपर लीक को लेकर युवाओं के लगातार विरोध-प्रदर्शन के बीच, प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने पेपर लीक में शामिल लोगों को जल्द और कड़ी सजा दिलाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का फैसला किया है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "हमारे युवाओं के कल्याण और भविष्य से ज्यादा जरूरी कुछ भी नहीं है! जो लोग हमारे युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करेंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।" उन्होंने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पेपर लीक के मुद्दे पर सभी जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा, "यह छात्रों के हितों की रक्षा के लिए उठाए जा रहे कदमों की हमारी श्रृंखला को आगे बढ़ाता है।" 20 जून को शुरू हुए इस आंदोलन में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के लिए जवाबदेही तय करने, शिक्षा प्रणाली में सुधार, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और पेपर लीक के कारण कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा देने की मांग की जा रही है।

28 जून को आंदोलन में शामिल हुए और तब से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने बुधवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार यह भरोसा दिलाती है कि विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों और युवाओं के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई या FIR नहीं की जाएगी, तो वे अपना अनशन खत्म कर देंगे।

नीट विरोध: योगी आदित्यनाथ का कांग्रेस-सपा पर बड़ा आरोप, छात्रों को कर रहे बदनाम

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे नीट विरोध-प्रदर्शनों के बीच दिल्ली में संसद सत्र को घेरकर अशांति फैलाने और छात्रों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। गोरखपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया गया और विस्थापित किया गया, तो विपक्षी दल चुप रहे; लेकिन जब नरेंद्र मोदी सरकार ने हिंदुओं की सुरक्षा और बचाव पर जोर दिया, तो उन्होंने एक नकारात्मक नैरेटिव बनाने की कोशिश की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपने देखा होगा कि कैसे

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में संसद सत्र के दौरान हंगामा किया, माहौल खराब किया और अशांति फैलाकर छात्रों को बदनाम करने की कोशिश की। कांग्रेस सरकार के समय, जब कश्मीर में कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया गया और उन्हें विस्थापित किया गया, तब वे चुप रहे। लेकिन जब मोदी सरकार ने हिंदुओं की सुरक्षा और बचाव की बात की, तो इन लोगों ने इसके खिलाफ नकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश की। उन्होंने विरोध-प्रदर्शन, आंदोलन, तोड़-फोड़, आगजनी और ऐसी ही दूसरी गतिविधियां करने की कोशिश की। मुख्यमंत्री ने आगे दावा किया कि न केवल दिल्ली में, बल्कि उत्तर प्रदेश और देश के अन्य हिस्सों में भी हालात बिगाड़ने की कोशिशें की गईं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने न सिर्फ.दिल्ली में, बल्कि उत्तर प्रदेश और देश के दूसरे राज्यों में भी गड़बड़ी फैलाने की कोशिश की। जब वे इसमें नाकाम रहे, तो उन्होंने किसानों को भड़काना शुरू कर दिया। उन्होंने पंजाब और हरियाणा के लोगों को प्रभावित करके किसान आंदोलन शुरू किया। उन्होंने उन्हें गुमराह करने की कोशिश की। यह घटनाक्रम मंगलवार शाम को दिल्ली पुलिस द्वारा कांग्रेस नेताओं–जिनमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल थे–को हिरासत में लिए जाने के बाद हुआ। ये नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरकारी आवास, लोक कल्याण मार्ग के पास विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे।

जेपी नड्डा का छात्रों को बड़ा ऑफर: हमारे घर या दफ्तर आइए, पेपर लीक पर बात करेंगे

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को कहा कि केंद्र सरकार प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने के लिए तैयार है और उन्हें अपने घर या सरकारी दफ़्तर में मिलने के लिए बुलाया। उन्होंने कहा कि हाँ, हम तैयार हैं। हमारे घर या सरकारी दफ़्तर आ जाइए। उनका यह बयान केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के उस बयान के ठीक एक घंटे बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार ने पिछली दोपहर से ही सीजेपी प्रतिनिधियों को चार औपचारिक प्रस्ताव भेजे हैं और बातचीत के लिए हमेशा तैयार है। उन्होंने कहा कि बातचीत जेपी नड्डा के दफ़्तर या घर पर हो सकती है और केंद्र सरकार छात्रों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर बात करने के लिए

तैयार है। सिंह ने कहा कि हम अपनी प्रतिष्ठा को बीच में नहीं लाएंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और मैं बातचीत के लिए मौजूद रहेंगे। धीरे-धीरे, बातचीत के जरिए हम समाधान की ओर बढ़ेंगे। यह छात्रों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे लगातार कदमों का ही एक हिस्सा है। मैं आप सभी से विनम्रतापूर्वक अपील करता हूं कि आएं और बातचीत करें। इस बीच, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने छात्रों की चिंताओं को लेकर सरकार के रुख का बचाव करते हुए कहा कि पेपर लीक मामलों में शामिल लोगों के खिलाफ पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भरोसा दिलाया है कि आरोपियों पर फास्ट-ट्रैक ट्रायल चलेगा और उन्हें सजा दी जाएगी। सीतारमण ने कहा कि यह मामला छात्रों से जुड़ा है। सरकार ने पेपर लीक में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि उन पर फास्ट-ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाया जाएगा और उन्हें सजा दी जाएगी। सरकार इस मामले पर पूरी लगन से काम कर रही है। उन्होंने संसद में चर्चा की जरूरत पर भी जोर दिया और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि सरकार बहस के लिए तैयार होने के बावजूद वे इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं। यह ताजा निमंत्रण जेपी नड्डा द्वारा 20 जुलाई को अपने आवास पर उखढ के प्रतिनिधियों सौरव दास और आशुतोष रांका के साथ बातचीत का पहला दौर करने के कुछ दिनों बाद आया

पीएम मोदी के फास्ट-ट्रैक कोर्ट पर केजरीवाल का हमला, बोले- पहले धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पेपर लीक मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इससे छात्रों की चिंताएं दूर नहीं होतीं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराई। एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने लिखा कि आज सुबह प्रधानमंत्री ने घोषणा की झ पेपर लीक मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का क्या हुआ? मोदी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री का बयान किसी ऐसे व्यक्ति जैसा लगता है जो हार चुका हो, दिशाहीन हो, लेकिन अहंकारी भी हो। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री की घोषणा की आलोचना करते हुए कहा कि यह छात्रों की मांग के मुकाबले नाकाफी है और केंद्र सरकार पर उन्हें गुमराह करने की कोशिश का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत में रेप और पॉक्सो

जैसे मामलों के लिए पहले से ही फास्ट-ट्रैक कोर्ट हैं, लेकिन इनमें से कई कोर्ट या तो सुनवाई नहीं कर पाते या फिर सामान्य कोर्ट से ज्यादा समय लेते हैं। एएपी नेता ने आगे आरोप लगाया कि सरकार का मकसद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बचाना है, न कि छात्रों की इस्तीफे की मांग का जवाब देना। उन्होंने दावा किया कि इस मुद्दे पर विरोध कर रहे छात्रों को पुलिस की कार्रवाई का सामना करना पड़ा, जिसमें लाठीचार्ज और आंसू गैस का इस्तेमाल शामिल था, जिससे कई छात्र घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में इलाज की जरूरत पड़ी। केजरीवाल ने बताया कि वह बुधवार को जंतर-मंतर पर कुछ घायल छात्रों से मिलने गए थे। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री ने छात्रों के प्रति सहानुभूति क्यों नहीं जताई; उन्होंने कहा कि मोदी दुनिया भर की घटनाओं पर तो टिप्पणी करते हैं, लेकिन छात्रों की मुश्किलों पर चुप रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि पेपर लीक की घटनाएं हर साल होती हैं और सरकार पर आरोप लगाया कि वह ऐसी घटनाओं को रोकने या भविष्य में सुरक्षित परीक्षाएं सुनिश्चित करने के लिए

24 जुलाई को सीजेपी का देशव्यापी प्रदर्शन, बड़ी संख्या में छात्रों से शामिल होने की अपील

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रीय राजधानी में चल रहे विरोध-प्रदर्शन के बीच एक अहम घटनाक्रम में कॉकरोच जनता पार्टी ने 24 जुलाई को देश भर में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया है। सीजेपी ने अपने समर्थकों से आंदोलन को दिल्ली से बाहर ले जाने की अपील करते हुए नागरिकों से हर शहर और हर गाँव में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का आग्रह किया है। इस विरोध-प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए, केंद्र सरकार ने कॉकरोच जनता पार्टी और छात्र प्रदर्शनकारियों तक पहुँचने की एक बड़ी पहल के तहत कहा है कि वह किसी भी समय, किसी भी जगह बातचीत के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार ने कल दोपहर से उनके प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के लिए चार औपचारिक प्रस्ताव भेजे हैं... हमारे युवा दोस्तों के लिए यह एक खुला निमंत्रण है कि सरकार आपकी सुविधा और समय के अनुसार सभी मुद्दों पर बातचीत के लिए तैयार है। नई दिल्ली में इंटरनेट सेवाएं बंद सीजेपी ने बुधवार को यह भी आरोप लगाया कि जंतर-मंतर के आसपास इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई थीं और पूछा कि क्या सरकार पुलिस की एक और कार्रवाई की तैयारी कर रही है। सीजेपी के कन्वीनर अभिजीत दिपके ने पर एक पोस्ट में कहा, "जंतर-मंतर पर इंटरनेट सेवा बंद। क्या सरकार एक और बेरहम कार्रवाई की योजना बना रही है?" एक अन्य पोस्ट में, दिपके ने पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स से अपील की कि वे "ऐसे गैर-कानूनी आदेश न मानें जिनमें निर्दोष प्रदर्शनकारियों की पिटाई करने के लिए कहा जाए। नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन ने कहा है कि कनॉट प्लेस में सभी दुकानों और प्रतिष्ठानों (जिनमें ऑफिस और रेस्टोरेंट भी शामिल हैं) को गुरुवार शाम 6.30 बजे तक अपना कामकाज बंद करने का निर्देश दिया गया है। यह कदम नीट यूजी परीक्षा में हुई

नीट विवाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बड़ा बयान, 'दोषियों को सजा दिलाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे'

नई दिल्ली एजेंसी: देशभर में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट को लेकर मचे सियासी और सामाजिक घमासान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी है। गुरुवार को एक बड़ा और कड़ा संदेश देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपर लीक करने वाले दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कदम उठाने जा रही है। उन्होंने घोषणा की कि पेपर लीक के मामलों में शामिल लोगों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाने और सुनवाई में तेजी लाने के लिए विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट का गठन किया जाएगा। "युवाओं के भविष्य से बड़ा कुछ नहीं": फास्ट-ट्रैक कोर्ट का बड़ा फैसला प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार युवाओं के उज्ज्वल भविष्य और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि संबंधित विभागों को इस दिशा में बिना किसी देरी के आवश्यक और कड़े कदम उठाने के

स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए गए हैं। देश के छात्रों और अभिभावकों को आश्वस्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा "हमारे युवाओं के कल्याण और भविष्य से ज्यादा जरूरी कुछ भी नहीं है! हमने पेपर लीक में शामिल लोगों को जल्द और कड़ी सजा दिलाने के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का फैसला किया है। संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। यह छात्रों के हितों की रक्षा के लिए उठाए जा रहे हमारे कदमों की कड़ी का हिस्सा है। जो लोग हमारे युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करेंगे, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।" विपक्ष का चौतरफा हमला और धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग प्रधानमंत्री का यह अहम बयान ऐसे समय में आया है जब देश में नीट परीक्षा धांधली को लेकर राजनीतिक पारा अपने चरम पर है। कॉकरोच जनता पार्टी सहित विभिन्न विपक्षी दल सड़कों से लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं।

उत्तराखंड में अग्निवीरों के लिए बनेगा रोजगार सेल, सेना से लौटने के बाद मिलेगी नौकरी में मदद

उत्तराखंड एजेंसी: उत्तराखंड सरकार अग्निवीरों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। राज्य में अग्निवीर रोजगार सेल (एआरसी) बनाया जाएगा, जो चार साल की सैन्य सेवा पूरी करके लौटने वाले अग्निवीरों को नौकरी और करियर से जुड़ी मदद देगा। सरकार का उद्देश्य है कि सेना में मिली ट्रेनिंग, अनुशासन और अनुभव का फायदा उन्हें नागरिक जीवन में भी मिल सके। पांच बड़े क्षेत्रों में मिलेंगे रोजगार के मौके अग्निवीर रोजगार सेल के जरिए पूर्व अग्निवीरों को पांच प्रमुख क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इनमें सरकारी नौकरियां, केंद्रीय सुरक्षा बल, निजी कंपनियां, पर्यटन और आपदा प्रबंधन तथा स्वरोजगार शामिल हैं। सरकार उन्हें सही करियर चुनने में मार्गदर्शन भी देगी। सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों से जुड़ेगा रोजगार रोजगार सेल अग्निवीरों को पुलिस विभाग, वन विभाग, आपदा प्रबंधन और कई निजी कंपनियों में रोजगार के अवसरों से जोड़ेगा। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उनकी योग्यता के अनुसार नौकरी खोजने में भी मदद की जाएगी। पहला बैच दिसंबर 2026

में लौटेगा अग्निपथ योजना के तहत भर्ती हुए पहले बैच के अग्निवीर 31 दिसंबर 2026 को चार साल की सेवा पूरी करेंगे। उत्तराखंड सरकार की योजना है कि इससे पहले ही रोजगार सेल पूरी तरह काम शुरू कर दे, ताकि लौटते ही अग्निवीरों को करियर से जुड़ी सहायता मिल सके। ऑनलाइन होगा पंजीकरण, बनेगा स्किल बैंक सेना से लौटने वाले हर अग्निवीर का ऑनलाइन पंजीकरण किया जाएगा। उनकी ट्रेनिंग,

उत्तराखंड सरकार चार साल की सेवा पूरी कर लौटने वाले अग्निवीरों के लिए अग्निवीर रोजगार सेल का गठन करेगी। मुख्यमंत्री कार्यालय की निगरानी में यह सेल सरकारी और निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करेगा।

तकनीकी जानकारी और अन्य कौशल का रिकॉर्ड एक डिजिटल स्किल बैंक में रखा जाएगा। इससे उनकी क्षमता के अनुसार नौकरी ढूंढने में आसानी होगी। जो अग्निवीर अपनी योग्यता को और बेहतर बनाना चाहते हैं, उनके लिए 10 से 15 दिन के छोटे स्किल डेवलपमेंट कोर्स भी चलाए जाएंगे। 50 से ज्यादा क्षेत्रों में रोजगार की तैयारी राज्य सरकार पर्यटन, होटल, सुरक्षा सेवाएं, लॉजिस्टिक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, खेल, मैन्युफैक्चरिंग और आपदा प्रबंधन समेत 50 से अधिक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही है। रोजगार सेल सरकारी विभागों, स्किल डेवलपमेंट एजेंसियों और निजी कंपनियों के बीच एक कड़ी का काम करेगा। मुख्यमंत्री कार्यालय करेगा निगरानी इस पूरी व्यवस्था की निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय करेगा, ताकि सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल बना रहे। उत्तराखंड सरकार पहले ही राज्य की सरकारी नौकरियों में अग्निवीरों के लिए 10% क्षैतिज आरक्षण देने की घोषणा कर चुकी है। साथ ही उत्तराखंड पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों की भर्ती में भी उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। क्या है अग्निपथ योजना? अग्निपथ योजना के तहत 17.5 से 21 वर्ष के युवाओं की भर्ती सेना, नौसेना और वायुसेना में चार साल के लिए की जाती है।

संपादकीय

हाइड्रोजन ट्रेन

देश की पहली हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली रेल की शुरूआत ने भारत में साफ-सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को हरियाणा में हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट- ह्यमेक इन इंडियाह्न की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। निश्चित रूप से हाइड्रोडन फ्यूल सेल से चलने वाली यह 10-कोच वाली ट्रेन, जिसमें सिर्फ पानी की भाप ही निकलती है, डीजल इंजनों का पर्यावरण अनुकूल विकल्प भी है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दशार्ता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के ह्यनेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशनह्न को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट-जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है। सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्जा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की संरक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है।

चिंतन-मनन

सुख की उपेक्षा क्यों?

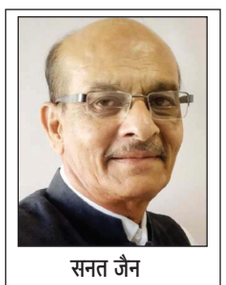

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है।

संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी।

ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- ह्यबोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरीह्न काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं।

असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी-उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? यह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे-मांगे भी नहीं मिलता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सोनम वांगचुक सरकार की निगरानी में, भूत बनकर लौटने की चेतावनी

सनत जैन

शिक्षामित्र और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सरकार ने शनिवार की सुबह जंतर मंतर के धरना स्थल से सरकारी निगरानी में ले लिया है। दिल्ली पुलिस का कहना है, कि दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश का पालन करते हुए उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। वांगचुक ने 20 जुलाई को संसद चलो मार्च का आह्वान किया था। सोनम वांगचुक ने यह भी कहा था, कि यदि लोग उनका साथ नहीं देंगे तो वह मरने के बाद भूत बनकर जो लड़ाई उन्होंने शुरू की है उसको लड़ने के लिए वापस आएंगे। इसके बाद से दिल्ली के जंतर मंतर में सरगर्मी बढ़ी। 20 जुलाई से मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। सरकार ने गंभीरता को समझते हुए जंतर मंतर से आंदोलन खत्म कराने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। दिल्ली पुलिस कमिश्नर को रातों-रात बदल दिया गया है। शिक्षा मंत्री के स्तीफे और पेपर लीक मामले को लेकर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी के इस आंदोलन में सोनम वांगचुक का अनशन खत्म करने के लिए सभी विपक्षी दलों और फिल्मी जगत की हस्तियों ने धरना स्थल पर पहुंचकर जिस तरह का समर्थन दिया उससे सरकार की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। मानसून सत्र के दौरान इस तरह के आंदोलन जिसमें आंदोलनकारी संसद में प्रदर्शन करने की मांग पर अड़ गए हैं, विपक्ष भी इस मुद्दे पर एक साथ आ गया है, जिसके कारण सरकार की चिंता बहुत बढ़ गई है। सरकार ने जिस तरह से सोनम वांगचुक को धरना स्थल से हटाया है, उसकी आंदोलनकारियों के बीच में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कल देहरादून में छात्रों के साथ संवाद किया। यह कार्यक्रम भी पूरी तरह से सफल रहा। भारी बारिश के बीच लाखों की संख्या में छात्र वहां पहुंचे। उन्होंने अपने दुख- दर्द को सुनाया। कोटा में भी राहुल गांधी के छात्र संवाद को काफी सफल माना गया था। जेन-जी के बीच में जिस तरह से राहुल गांधी की लोकप्रियता बढ़ रही है, उससे सरकार का चिंतित होना स्वाभाविक है। यह भी कहा जा रहा है, राहुल गांधी से इस मुद्दे को छीनने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी का जो आंदोलन जंतर मंतर में शुरू कराया गया था उसको वह सफलता नहीं मिली जिस सफलता की आशा सरकार कर रही थी। कॉकरोच जनता पार्टी ने भी सरकार के बजाय जिस तरह से विपक्ष को निशाने पर लिया था उसके कारण कॉकरोच पार्टी का यह आंदोलन फ्लॉप होने की दिशा में बढ़ रहा था। इसी बीच कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने सोनम वांगचुक को समर्थन देकर एक ऐसी चाल चली जिससे कॉकरोच पार्टी निशाने पर आ गई। अब सरकार ने जब सोनम वांगचुक को दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को आधार बनाकर अपनी निगरानी में जबरिया ले लिया है, इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देश भर में हो सकती है। 20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र भी शुरू होने जा रहा है, जिसने सरकार की परेशानी को और बढ़ा दिया है। शनिवार को जंतर मंतर में एक बार फिर भीड़ बढ़ने लगी। 20 जुलाई को संसद मार्च की तैयारी में आंदोलनकारी फिर एकजुट होने लगे हैं। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा और पेपर लीक मामले में जिस तरह से युवा एकजुट हो रहे हैं, कई राज्यों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और आंदोलन हो रहे हैं। सरकार ने अभी तक आंदोलनकारियो से कोई बात नहीं की है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा को लेकर भी सरकार ने चुप्पी साध रखी है। ऐसी स्थिति में जेन-जी युवा उद्वेलित होकर आक्रामक हो रहे हैं। सरकार को एक साथ कई मोर्चों पर लड़ना पड़ रहा है।

मानसून सत्र में सरकार परिसीमन बिल को हर हालत में पास करना चाहती है। पिछले दो महीने से संसद में दो तिहाई बहुमत सरकार के पास हो इसके लिए बड़े पैमाने पर कई राज्यों के सांसदों को उनकी पार्टी से तोड़कर एनडीए के पक्ष में लाया गया है। लेकिन इसमें दल-बदल कानून भी बड़ी बाधा बन रहा है। इसी बीच ईरान- अमेरिका युद्ध के कारण कच्चे तेल, एलपीजी गैस एवं खाद इत्यादि की चुनौतियां सरकार के लिए बढ़ रही हैं। ई-20 पेट्रोल को लेकर भी लोगों में नाराजी देखने को मिल रही है। राम मंदिर के दान और चढ़ावा चोरी को लेकर भी सरकार के ऊपर हमले बढ़ते चले जा रहे हैं। सरकार समझ नहीं पा रही है कि एक साथ इतनी सारी समस्याओं और हमलो का मुकाबला वह किस तरीके से करे। सोनम वांगचुक ने यह कहकर युवाओं को उद्वलित कर दिया है कि वह 20 तारीख तक जिंदा रहेंगे, यदि मर भी गए तो वह भूत बनकर आंदोलनकारियों के साथ होंगे। राजधानी दिल्ली में मानसून सत्र के दौरान सरकार को जिस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने अपने सभी दिग्गजों को इस समस्या से निपटने के लिए जिम्मेदारी दी है। आगे किस तरह के हालात होंगे यह कहना मुश्किल है।

यक्ष प्रश्नः क्या विकसित भारत 2047 का लक्ष्य 2075 में हासिल होगा?

कमलेश पांडेय

यदि आप विकसित भारत 2047 का स्वप्न देख रहे हैं तो थोड़ा संभल जाइए, क्योंकि कुछ अर्थशास्त्रियों ने यह तर्क दिया है कि यदि भारत की मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर, उत्पादकता और रोजगार सृजन की गति में पर्याप्त सुधार नहीं हुआ, तो भारत को 'विकसित देश' बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है। बता दें कि यह कोई आधिकारिक सरकारी अनुमान नहीं है, बल्कि कतिपय अर्थशास्त्रियों द्वारा किए गए एक आर्थिक विश्लेषण पर आधारित दृष्टिकोण मात्र है, जो सत्य के निकट है या परे, यह भविष्य के गर्भ में है। हाँ, इतना जरूर है कि इससे विपक्ष को सत्तापक्ष की खिल्ली उड़ाने का एक मौका जरूर मिल गया है।

दरअसल, इस संदर्भ में चर्चित अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने भी कहा कि यदि वर्तमान गति ऐसी ही बनी रही, तो विकसित भारत का लक्ष्य 2047 तक हासिल करना कठिन हो सकता है। मसलन, Surjit Bhalla का आशय यह है कि केवल उच्च आर्थिक वृद्धि दर पर्याप्त नहीं है। यदि वर्तमान गति, निवेश, उत्पादकता और रोजगार सृजन की चुनौतियाँ बनी रहीं, तो भारत को विकसित देश बनने में 2047 के बजाय 2075 तक का समय लग सकता है।

इस प्रकार से देखा जाए तो उन्होंने और उनके जैसे अन्य कई अर्थशास्त्रियों द्वारा उठाई जाने वाली प्रमुख चिंताएँ इस प्रकार हैंः- पहली, विकास दर में कमीः विकसित भारत के लक्ष्य के लिए लंबे समय तक 8-9% या उससे अधिक वास्तविक GDP वृद्धि की आवश्यकता मानी जाती है, जबकि हाल के वर्षों में वृद्धि इससे कम रहने का अनुमान है।

दूसरी, प्रति व्यक्ति आयः विकसित देश बनने का आधार केवल कुल GDP नहीं, बल्कि प्रति व्यक्ति आय भी है। यदि जनसंख्या के अनुपात में आय पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ती, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है। तीसरी, रोजगार की चुनौतीः आर्थिक वृद्धि के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजगार नहीं बनने से आय और उपभोग दोनों प्रभावित होते हैं।

चौथी, विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग): GDP और रोजगार में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी अपेक्षित स्तर तक नहीं बढ़ पाई है। पांचवीं, मानव पूंजीः शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और श्रम उत्पादकता में अभी भी उल्लेखनीय सुधार की आवश्यकता है। छठी, वैश्विक अनिश्चितताएँः भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार बाधाएँ, ऊर्जा कीमतें और वैश्विक आर्थिक मंदी जैसे कारक भी विकास की गति को प्रभावित कर सकते हैं।

हालाँकि, यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि यह एक आर्थिक आकलन है, कोई निश्चित भविष्यवाणी नहीं। यदि भारत अगले दो दशकों में तेज और निरंतर आर्थिक वृद्धि, व्यापक रोजगार सृजन, विनिर्माण विस्तार, बुनियादी ढाँचे में निवेश, शिक्षा-स्वास्थ्य सुधार और प्रशासनिक सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू करता है, तो 2047 का लक्ष्य अधिक यथार्थवादी हो सकता है।

इसलिए सुरजीत भल्ला का तर्क मूलतः यह है कि यदि वर्तमान गति और संरचनात्मक चुनौतियाँ नहीं बदलीं, तो विकसित भारत का लक्ष्य 2047 से काफी आगे खिसक सकता है। इसके पीछे प्रमुख कारण बताए जाते हैं जो इस प्रकार हैंः पहला, विकास दर की चुनौतीः विकसित देशों की श्रेणी में पहुँचने के लिए भारत को लंबे समय तक लगभग 7-8% या उससे अधिक वास्तविक जीडीपी (GDP) वृद्धि बनाए रखनी होगी। यदि वृद्धि 6% के आसपास रहती है, तो लक्ष्य पीछे खिसक सकता है।

दूसरा, प्रति व्यक्ति आय कम होनाः भारत की कुल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, लेकिन बड़ी आबादी के कारण प्रति व्यक्ति आय अभी विकसित देशों से काफी कम है। तीसरा, रोजगार और उत्पादकताः उच्च आर्थिक वृद्धि के साथ गुणवत्तापूर्ण रोजगार और श्रम उत्पादकता में तेज सुधार आवश्यक है। चौथा, विनिर्माण क्षेत्र की धीमी प्रगतिः यदि मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात अपेक्षित गति से नहीं बढ़ते, तो आय वृद्धि सीमित रह सकती है।

पांचवां, शिक्षा और स्वास्थ्यः मानव पूंजी में निवेश पर्याप्त न होने पर दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। छठा, बुनियादी ढाँचा और संस्थागत सुधारः न्यायिक दक्षता, भूमि, श्रम और प्रशासनिक सुधारों की गति भी निर्णायक मानी जाती है।

वहीं, दूसरी ओर, 2047 के लक्ष्य के समर्थन में भी मजबूत तर्क हैं क्योंकि भारत में सत्ता प्रतिष्ठान के रिकॉर्ड दर रिकॉर्ड को तोड़ती जा रही भाजपा नीत राजग की नरेंद्र मोदी सरकार के लिए विकसित भारत 2047 एक ड्रीम प्रोजेक्ट है। चूंकि भारत की आजादी प्राप्ति का सौवाँ वर्ष है, इसलिए सरकार इसे ज्यादा तवज्जो दे रही है, जबकि वैश्विक षड्यंत्रकारी देश अमेरिका/चीन और उनके पिछलग्गू कट्टर मुस्लिम देश भारत की तरक्की से जल-भुन रहे हैं!

नामचीन अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि भारत की अर्थव्यवस्था लगातार ऊँची आर्थिक वृद्धि बनाए रखे, डिजिटल अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा और विनिर्माण में तेजी से आगे बढ़े, कौशल विकास और रोजगार सृजन पर जोर दे, तथा राज्यों में सुधारों की गति तेज हो, तो विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य अपेक्षाकृत जल्दी यानी कि 2047 तक या उससे कुछ साल पहले भी हासिल किया जा सकता है।

इसलिए 2047 और 2075 को निश्चित भविष्यवाणी नहीं, बल्कि अलग-अलग आर्थिक परिदृश्यों (ीूील्लं१्रङ्म२) के रूप में देखना चाहिए। अंतिम परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि आने वाले दो दशकों में भारत सुधारों, निवेश, उत्पादकता, मानव संसाधन विकास की गति और सुशासन व पारदर्शिता कितनी बढ़ा पाता है।

उत्तराखंड की सूनी होती धरती और बढ़ता पलायन

जब खेत बंजर हों रोजगार सीमित हो और गांवों से टूटने लगे जीवन का रिश्ता...

उत्तराखंड को प्रकृति ने अपार सौंदर्य, घने जंगल, स्वच्छ जलस्रोत और उपजाऊ सीढ़ीदार खेतों का वरदान दिया है। कभी यही खेत पहाड़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते थे। मंडुवा, झंगोरा, गहत, चावल, मक्का और अन्य पारंपरिक फसलें न केवल लोगों की आजीविका का आधार थीं, बल्कि पहाड़ी संस्कृति और जीवनशैली की पहचान भी थीं। आज वही खेत तेजी से बंजर होते जा रहे हैं। गांव खाली हो रहे हैं, खेती से लोगों का भरोसा उठ रहा है और रोजगार की तलाश में युवा पहाड़ छोड़कर शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। यह केवल कृषि संकट नहीं है, बल्कि उत्तराखंड के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है।

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों की सबसे बड़ी चुनौती आजीविका के सीमित साधन हैं। राज्य का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पर्वतीय है और आधे से अधिक लोग इन्हीं इलाकों में रहते हैं। यहां उद्योगों का विकास सीमित है और सरकारी नौकरियां भी पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में खेती और पशुपालन ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इन क्षेत्रों का योगदान लगातार घटा है। एक समय राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि और पशुपालन का योगदान लगभग 14 प्रतिशत था, जो अब घटकर लगभग 9 प्रतिशत के आसपास रह गया है। यह गिरावट बताती है कि खेती अब लोगों के लिए लाभ का नहीं बल्कि संघर्ष का माध्यम बनती जा रही है।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि केवल पांच वर्षों के भीतर राज्य में लगभग 63 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि बंजर हो गई है। अल्मोड़ा और पौड़ी जैसे जिलों में सबसे अधिक खेत खेती से बाहर हो चुके हैं। जिन सीढ़ीदार खेतों में कभी हरियाली लहलहाती थी, वे अब घास और झाड़ियों से भर गए हैं। गांवों के आसपास फैले खेत चारागाह में बदलते जा रहे हैं। यह दृश्य केवल कृषि संकट का नहीं बल्कि पहाड़ की बदलती सामाजिक तस्वीर का भी संकेत है।

खेती से लोगों का मोहभंग कई कारणों से हुआ है। सबसे पहला कारण लगातार बढ़ता पलायन है। जब गांव के युवा रोजगार के लिए शहरों की ओर चले जाते हैं तो खेतों में काम करने वाले हाथ कम पड़ जाते हैं। बुजुर्ग और महिलाएं अकेले पूरी खेती नहीं संभाल पातीं। धीरे-धीरे खेत खाली छोड़ दिए जाते हैं और फिर वे बंजर हो जाते हैं। यही कारण है कि उत्तराखंड के अनेक गांव आज जनसंख्या घटने और खेती समाप्त होने की दोहरी मार झेल रहे हैं।

दूसरा बड़ा कारण जंगली जानवरों का बढ़ता आतंक है। जंगलों से निकलकर बंदर, लंगूर, जंगली सुअर, नीलगाय और अन्य वन्यजीव खेतों में घुसकर पूरी फसल नष्ट कर देते हैं। किसान पूरे वर्ष मेहनत करता है लेकिन कटाई से पहले ही फसल बर्बाद हो जाती है। ऐसे में किसान का मनोबल टूटना स्वाभाविक है। कई गांवों में स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि लोग खेती करने का जोखिम ही नहीं उठाना चाहते। खेती में लागत बढ़ती जा रही है लेकिन उत्पादन की कोई गारंटी नहीं बची है।

तीसरी समस्या सिंचाई की कमी है। उत्तराखंड के अधिकांश पर्वतीय क्षेत्रों में खेती आज भी वर्षा पर निर्भर है। यदि मानसून समय पर नहीं आए या बारिश कम हो जाए तो पूरी बुआई प्रभावित हो जाती है। आधुनिक सिंचाई सुविधाओं का अभाव किसानों की परेशानी और बढ़ा देता है। जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम की अनिश्चितता ने भी खेती को पहले से अधिक जोखिम भरा बना दिया है।

चौथा कारण खेती से मिलने वाला सीमित लाभ है। पहाड़ों में छोटे-छोटे खेत, कठिन भौगोलिक परिस्थितियां और परिवहन की ऊंची लागत किसानों की आय को सीमित कर देती है। यदि फसल अच्छी भी हो जाए तो उसे बाजार तक पहुंचाना महंगा पड़ता है। किसान को उचित मूल्य नहीं मिलता और उसकी मेहनत का लाभ बिचौलियों तक सीमित रह जाता है। यही वजह है कि अनेक परिवार अब केवल अपने घरेलू उपयोग के लिए खेती कर रहे हैं, जबकि नकदी आय के लिए परिवार का कोई सदस्य शहरों में मजदूरी या नौकरी करने को मजबूर है।

महिलाओं पर इस संकट का सबसे अधिक प्रभाव दिखाई देता है। पहाड़ों में पुरुषों के पलायन के बाद खेती, पशुपालन, घर और परिवार की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं पर आ जाती है। बढ़ती उम्र, सीमित संसाधन और जंगली जानवरों के खतरे के बीच खेती करना उनके लिए लगातार कठिन होता जा रहा है। अनेक महिलाएं मानती हैं कि अब खेती केवल परंपरा निभाने तक सीमित रह गई है, क्योंकि इससे परिवार का खर्च चलाना संभव नहीं रह गया है।

खेती में गिरावट का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं है। इसका प्रभाव पूरे ग्रामीण समाज पर पड़ रहा है। गांवों में स्कूल बंद होने की स्थिति बन रही है, स्थानीय बाजारों की गतिविधियां कम हो रही हैं और पारंपरिक संस्कृति भी कमजोर पड़ रही है। जब गांव खाली होते हैं तो वहां की सामाजिक संरचना भी टूटने लगती है। त्योहार, मेलों और सामुदायिक जीवन की रौनक धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। पलायन केवल लोगों का स्थान परिवर्तन नहीं बल्कि पूरे सामाजिक ताने-बाने में बदलाव लेकर आता है।

फसलों के आंकड़े भी इस संकट की गंभीरता को स्पष्ट करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में चावल, मंडुवा, सावा और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के रकबे में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से मंडुवा और सावा जैसी पारंपरिक मोटे अनाज की खेती में लगभग एक चौथाई से अधिक गिरावट दर्ज की गई है। जबकि आज पूरी दुनिया मोटे अनाज को पोषण और जलवायु अनुकूल खेती के रूप में बढ़ावा दे रही है, उत्तराखंड में इनकी खेती सिमटती जा रही है। यह स्थिति चिंता का विषय है।

यदि इस समस्या का समय रहते समाधान नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में उत्तराखंड के अनेक गांव पूरी तरह खाली हो सकते हैं। इसलिए केवल खेती को बचाने की नहीं बल्कि पूरे पहाड़ी जीवन को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। सरकार को सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करना होगा, जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के प्रभावी उपाय करने होंगे, पर्वतीय कृषि के लिए विशेष सहायता और न्यूनतम समर्थन मूल्य जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग, प्रसंस्करण और बेहतर विपणन व्यवस्था विकसित करने से किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योग, पर्यटन, बागवानी, मधुमक्खी पालन, औषधीय पौधों की खेती और स्वरोजगार के नए अवसर विकसित करने होंगे ताकि युवाओं को गांव छोड़ने की मजबूरी न रहे।

उत्तराखंड की पहचान केवल उसके पहाड़ों और पर्यटन से नहीं बल्कि उसके जीवंत गांवों और हरे-भरे खेतों से भी है। यदि खेत सूने हो जाएंगे और गांव खाली हो जाएंगे तो पहाड़ की आत्मा भी कमजोर पड़ जाएगी। आज आवश्यकता केवल आंकड़ों पर चिंता व्यक्त करने की नहीं बल्कि ऐसी नीतियां बनाने की है जो खेती को लाभकारी बनाएं, ग्रामीण जीवन को सम्मानजनक बनाएं और युवाओं को अपने गांव में ही भविष्य दिखाई दे। तभी उत्तराखंड के बंजर होते खेत फिर से हरियाली से भर सकेंगे और पलायन की जगह विकास की नई कहानी लिखी जा सकेगी।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमरोहा
शुक्रवार 24 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

अमरोहा/बिजनौर

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

जनगणना कार्य के मानदेय को लेकर शिक्षकों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन, शीघ्र भुगतान की उठाई मांग

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनगणना कार्य में लगे शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों के मानदेय के शीघ्र भुगतान की मांग को लेकर गुरुवार को शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने नायब तहसीलदार नेहा सागर को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों ने जनगणना कार्य का मानदेय अभी तक प्राप्त न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र भुगतान कराने की मांग की। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक गगेश्वरी के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने बताया कि तहसील हसनपुर में जनगणना कार्य के प्रथम चरण के अंतर्गत प्रगणक एवं पर्यवेक्षक के रूप में कार्यरत शिक्षकों और शिक्षामित्रों ने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ किया है। इसके बावजूद अब तक उन्हें निर्धारित मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उन्हें आर्थिक एवं व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि समय पर मानदेय का भुगतान होना कर्मचारियों का अधिकार है और इसमें अनावश्यक विलंब उचित नहीं है। उन्होंने तहसीलदार हसनपुर से जनगणना कार्य में लगे सभी शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों का मानदेय प्राथमिकता के आधार पर अतिशीघ्र जारी कराने की मांग की। नायब तहसीलदार नेहा सागर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर मानदेय का भुगतान यथाशीघ्र कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष सुधीर पोसवाल, ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर कुलदीप चौहान, ब्लॉक मंत्री जगत सिंह, वरिष्ठ शिक्षक थान सिंह, रोहताश सिंह, भूरे सिंह, प्रदीप कुमार, भूपाल सिंह, रमेश सिंह, उम्मेद अली, देवेश कुमार, राजपाल सिंह, शीशराम सिंह, जयप्रकाश सिंह, रामरतन सिंह, योगराज सिंह, मंगल सिंह शिक्षक एवं शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

चंद्रशेखर आजाद और बाल गंगाधर तिलक की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

राष्ट्र सेवी संगठन और किसान संघ के कार्यकर्ता हुए एकत्र, पुष्प अर्पित किए

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद और बाल गंगाधर तिलक की जयंती के अवसर पर बुधवार को राष्ट्र सेवी संगठन एवं भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ता हसनपुर बाईपास चौराहे, अमरोहा अड्डे के पास एकत्र हुए। इस अवसर पर कार्यकताओं ने दोनों महान विभूतियों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे के उद्घोष गूंजे। कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि आजाद और तिलक के सपनों को साकार करने के लिए राष्ट्र हित में एकजुट होकर कार्य करेंगे। वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन हम सभी को राष्ट्रहित में कर्तव्यपथ पर अग्रसर रहने की सदैव प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। इस अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन के राष्ट्रीय संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, महिपाल सिंह, हरिराज सिंह, चंद्रपाल सैनी, राजू चौहान, जगवीर सिंह, राजपाल धामा, मौ. हसन, अमरपाल सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्कूल समय में गुल बिजली, गर्मी से बेहाल नौनिहाल

अमरोहा के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली कटौती से कक्षाओं में पंखे बंद, पढ़ाई बाधित

अमरोहा (सब का सपना):- भीषण गर्मी में स्कूल समय में बिजली न आने से जनपद के नौनिहालों की हालत खराब है। कक्षाओं में पंखे बंद होने से बच्चे पसीने से तरबतर होकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं।
जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में स्कूल समय में बिजली कटौती हो रही है। जिस समय में बच्चों की क्लासें लगती हैं। उस समय तापमान तेज होने के कारण बिना पंखे के बैठना मुश्किल हो जाता है।शिक्षकों का कहना है कि बिजली न होने से पेयजल की भी समस्या हो रही है। हैंडपंप और मोटर न चलने से बच्चों को पीने का पानी नहीं मिल पा रहा। छोटे बच्चे गर्मी और उमस के कारण बार-बार बेहाल हो जा रहे हैं। कई अभिभावकों ने बताया कि बच्चे स्कूल से लौटकर सिरदर्द, चक्कर और उल्टी की शिकायत कर रहे हैं।एक अध्यापक ने बताया कि बच्चे शिक्षा लेने आते हैं, लेकिन गर्मी में 40 मिनट का पीरियड निकालना भी मुश्किल है। ब्लैकबोर्ड पर लिखा भी साफ नहीं दिखता क्योंकि बच्चे पसीने से परेशान हैं। अभिभावकों ने जिला प्रशासन और विद्युत विभाग से मांग की है कि स्कूल समय में बिजली कटौती से छूट न कि जाए। उनका कहना है कि बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा दोनों खतरे में हैं।
विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि गर्मी के कारण ओवरलोड है। फिर भी प्रयास किया जा रहा है कि स्कूल समय में फीडर से कटौती न हो।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ ने भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुसार मासिक निरीक्षण के तहत ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया और डबल लॉक एवं सीसीटीवी कैमरों की स्थिति को देखा। निरीक्षण के दौरान सील्ड गोदाम सुव्यस्थित पाये गये। अवगत कराना है कि निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुपालन में निर्वाचन की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के तहत ईवीएम एवं वीवीपेट के रखाव के दृष्टिगत वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया जाना आवश्यक होता है। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह, निर्वाचन कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

25 जुलाई को विकास भवन सभागार में आयोजित होगी महिला जनसुनवाई एवं जागरूकता चौपाल

अमरोहा (सब का सपना):- जिला प्रोबेशन अधिकारी ने अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या संगीता जैन की गरिमामयी उपस्थिति में दिनांक 25 जुलाई 2026 (शनिवार) को विकास भवन सभागार, अमरोहा में महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर जागरूकता चौपाल एवं महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित महिला कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी तथा उन्हें योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के संबंध में जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं द्वारा प्रस्तुत नवीन प्रार्थना-पत्रों पर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या संगीता जैन द्वारा जनसुनवाई की जाएगी।
साथ ही विगत माह में महिला उत्पीड़न से संबंधित घटनाओं एवं प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जाएंगे।

धनौरा एसडीएम ने किया कावड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण

कावड़ यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- आगामी कांवड़ यात्रा को लेकर मंडी धनौरा एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने गुरुवार को थाना प्रभारी बछरायूं कुलदीप तोमर और अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर मंडी धनौरा से थाना बछरायूं तक कावड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट किया कि कावड़ यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दें कि इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से मार्ग के दोनों ओर सुचारू बिजली व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया। बिजली विभाग के अधिकारियों को सख्त हिदायत दी गई कि मार्ग में लटकते हुए जर्जर तारों को तत्काल बदला जाए और ढीले तारों को कसा जाए, ताकि यात्रा के दौरान किसी दुर्घटना की आशंका न रहे।इसके साथ ही, एसडीएम ने कांवड़ मार्ग पर रात के समय समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त करने और आवश्यक स्थानों पर अतिरिक्त लाइटें लगाने के निर्देश दिए। नगर पालिका और संबंधित विभागों को यात्रा मार्ग पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए नियमित सफाई अभियान चलाने और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने के लिए भी कहा गया।बछरायूं थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए बताया कि कांवड़ मार्ग पर पुलिस बल की तैनाती और गश्त बढ़ाई जाएगी। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को बिना किसी भय और असुविधा के यात्रा पूरी करने का माहौल प्रदान करना है।प्रशासन का पूरा प्रयास है कि क्षेत्र में कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण और सुगम तरीके से संपन्न हो।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान एवं अन्य विभागीय ऋण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु सीडीओ की अध्यक्षता में जिला प्रबंधन कार्यक्रम इकाई (डीपीएमयू) की बैठक प्रेरणा सभागार में आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत जुलाई माह तक ऋण वितरण का लक्ष्य 360 निर्धारित है, जिसके सापेक्ष 336 लाभार्थियों को ऋण वितरित किया जा चुका है, जबकि 786 आवेदन बैंक स्तर पर लंबित हैं। सीडीओ ने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करते हुए निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी पात्र आवेदन को बिना ठोस एवं उचित कारण के निरस्त न किया जाए। यदि किसी आवेदन को अनुचित रूप से निरस्त किया जाता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित बैंक शाखा प्रबंधक की होगी तथा आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।बैठक में एक जनपद-एक उत्पाद (ओडीओपी) वित्त पोषण योजना एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत बैंक स्तर पर लंबित आवेदनों की भी समीक्षा की गई। सीडीओ ने सभी जिला समन्वयकों एवं बैंक अधिकारियों को निर्देश दिए कि शाखा स्तर पर प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण करते हुए पात्र लाभार्थियों को शीघ्र ऋण स्वीकृत एवं वितरित कराया जाए। उन्होंने अग्रणी जिला प्रबंधक, केनरा बैंक को निर्देशित किया कि सभी जिला समन्वयकों के साथ समन्वय स्थापित कर बैंक स्तर पर लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण एवं ऋण वितरण की प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। बैठक में उपायुक्त उद्योग, अग्रणी जिला प्रबंधक (केनरा बैंक) तथा विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयकों सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अंत में उपायुक्त उद्योग ने सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त किया तथा जिलाधिकारी की अनुमति से बैठक का समापन किया गया।

पत्रकारों को धमकी मामले में धामपुर के पत्रकारों ने DIG से की शिकायत

जान को खतरा बताते हुए मुकदमा दर्ज कर गई कि सुरक्षा की मांग, DIG ने SSP को सौंपी जांच

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के धामपुर में पत्रकारों को धमकी दिए जाने के मामले में गुरुवार को पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद परिक्षेत्र मुनिराज से मुलाकात कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की है। जानकारी के अनुसार एक न्यूज चैनल के जिला संवाददाता दिनेश प्रजापति और नगर के एक व्यापारी के बीच विवाद चल रहा है। पत्रकार का आरोप है कि करीब एक सप्ताह पहले व्यापारी ने व्हाट्सएप और फेसबुक पर उनके खिलाफ अशोभनीय टिप्पणियां करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में धामपुर पत्रकार संघर्ष समिति के बैनर तले पत्रकारों ने पहले उड धामपुर अंजनी कुमार चतुर्वेदी, प्रभारी निरीक्षक रविंद्र प्रताप सिंह और रढ पूर्वी को ज्ञापन सौंपा था। आश्वासन के बाद 4 दिन पूर्व कोतवाली परिसर में एक दिवसीय सांकेतिक धरना भी किया गया था। पत्रकारों का आरोप है कि 4 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं किया। इसी बीच एक यूट्यूबर पत्रकार द्वारा प्रकरण को प्रमुखता से प्रसारित करने पर आरोपी ने उसे भी जान से मारने की धमकी दी। इससे पत्रकारों में और रोष बढ़ गया। पत्रकारों ने इसे देश के चौथे स्तंभ पर हमला बताया। 22 जुलाई 2026 को धामपुर के पत्रकार DIG मुरादाबाद से मिले। DIG ने पत्रकारों की बात सुनकर विधिसम्मत कार्रवाई का आश्वासन दिया और पूरे प्रकरण की जांच रढ मुरादाबाद को सौंप दी है। वहीं दूसरी ओर आरोपी व्यापारी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर पत्रकार दिनेश प्रजापति पर 50 हजार रुपये मांगने का आरोप लगाया है।दिनेश प्रजापति ने आरोप को खारिज करते हुए कहा कि मैंने न कभी फोन किया, न दुकान गया, न पैसे मांगे। यह दबाव बनाने के लिए फर्जी शिकायत है।
अगर आरोप सही साबित हों तो मैं सजा भुगतने को तैयार हूं। लेकिन अगर आरोप गलत पाए जाएं तो पुलिस को इठर की धारा 217 के तहत आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। पत्रकार संघर्ष समिति ने कहा कि यदि निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो वे उच्च न्यायालय इलाहाबाद में रिट पिटीशन दायर करेंगे।

मंडी धनौरा में तेंदुए से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन,शो के जरिए दिए गए टिप्स

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र में गुरुवार को आमजन की तेंदुए से सुरक्षा को लेकर सुरक्षा और जन जागरूकता कार्यक्रम का एक विशेष आयोजन किया गया। इस आयोजन को नगर के रामलीला ग्राउंड और एम एस पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य क्षेत्र में तेंदुए की बढ़ती हलचल के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। बता दें कि कार्यक्रम में देश के मशहूर जादूगर बी. सम्राट ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। उन्होंने जादू के हैरतअंगेज करतबों के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया और इसी दौरान तेंदुए से बचाव के महत्वपूर्ण सुरक्षा टिप्स भी दिए।जादूगर सम्राट ने बताया कि यदि क्षेत्र में तेंदुआ दिखाई दे, तो घबराने के बजाय धैर्य से काम लेना चाहिए।

उन्होंने लोगों को अकेले सुनसान जगहों पर जाने से बचने और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। उनके इस अनोखे अंदाज ने बच्चों और बड़ों दोनों को आकर्षित किया।वन विभाग की टीम ने एम एस पब्लिक स्कूल में भी छात्र-छात्राओं को जंगली जानवरों से बचाव और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया।डिप्टी रेंजर मनोज चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि वन विभाग वन्यजीवों से आम जनता की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य लोगों में डर पैदा करने के बजाय उन्हें सतर्क और जागरूक बनाना है।इस कार्यक्रम में वन विभाग की पूरी टीम मौजूद रही, जिसमें दरोगा रणवीर सिंह, संतोष कुमार, अतुल कुमार, विनोद ठाकुर, धर्मवीर सिंह, दीनदयाल, हरीशचंद्र और सोनू जाटव , विख्यात चौधरी,वीरेश चौधरी सहित अन्य स्टाफकर्मी शामिल थे।स्थानीय नागरिकों और स्कूली बच्चों ने वन विभाग की इस पहल की सराहना की।

कारगिल शहीद दिवस पर इन्दिरा पार्क के बाहर रक्खी जाएगी शहीद स्तंभ की आधारशिला

बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद बिजनौर आगामी 26 जुलाई को कारगिल दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर एक भव्य शहीद स्तंभ की सौगात देने जा रही है। इस दिन पालिका प्रशासन द्वारा शहीद स्तंभ का भूमि पूजन और शिलान्यास किया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम के लिए पालिका और जिला प्रशासन ने संयुक्त रूप से बैराज रोड स्थित इंदिरा पार्क के बाहर स्थल का चयन कर लिया है। शहीद स्तंभ के निर्माण के लिए चिन्हित किए गए इस स्थल की पुष्टि जिला प्रशासन द्वारा भी कर दी गई है। इस संबंध में जिलाधिकारी जसजीत कौर और एडीएम प्रशासन अंशिका दीक्षित ने स्वयं मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और पालिका द्वारा चुने गए स्थल को अंतिम रूप देते हुए अपनी सहमति जताई।नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 जुलाई को देश कारगिल दिवस मनाता है। इस गौरवशाली दिन को यादगार बनाने के लिए पालिका प्रशासन ने बिजनौर में एक भव्य शहीद स्तंभ स्थापित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके लिए बैराज रोड पर स्थित इंदिरा पार्क के बाहर खाली स्थान को सबसे उपयुक्त पाया गया है। स्थल चयन और निरीक्षण के इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। सैनिकों की ओर से अभिनव सिंह ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं पालिका प्रशासन की ओर से अवर अभियंता (जलकल) गौरव शर्मा,अवर अभियंता सिविल यशवंत सिंह और सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी मौजूद रहे।

अवैध खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, मिट्टी से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां सीज

कुढ़फतेहगढ़/संभल(सब का सपना):- जनपद में अवैध खनन और बिना अनुमति खनिज परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन का अभियान लगातार जारी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर बुधवार सुबह थाना कुढ़फतेहगढ़ क्षेत्र में खनन विभाग की टीम ने संयुक्त जांच अभियान चलाया, जिसमें बिना वैध अनुमति के मिट्टी का परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़ी गईं। जांच के दौरान दोनों वाहनों के पास खनिज परिवहन से संबंधित आवश्यक दस्तावेज और वैध

अनुमति नहीं मिली। इसके बाद नियमानुसार दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को थाना कुढ़फतेहगढ़ की अभिरक्षा में सीज कर दिया गया। मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में अवैध खनन और बिना अनुमति खनिज परिवहन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। प्रशासन ने आमजन से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध खनन या अवैध खनिज परिवहन होता दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग या जिला प्रशासन को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। प्रशासन का कहना है कि अवैध खनन पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जिला पुस्तकालय को आधुनिक बनाने की तैयारी, डिजिटल लाइब्रेरी और नए भवन पर मंथन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में जिला पुस्तकालय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजकीय जिला पुस्तकालय के विकास, नए भवन के निर्माण, डिजिटल सुविधाओं के विस्तार और विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में पुस्तकालय समिति के संयुक्त सचिव एवं प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष अम्बरीश कुमार ने पुस्तकालय की वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राजकीय जिला पुस्तकालय का संचालन अस्थायी रूप से इंटरमीडिएट कॉलेज, बहजोई में किया जा रहा है। साथ ही पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों,

पाठकों की संख्या और छात्रों की सहभागिता की जानकारी भी साझा की। उन्होंने बताया कि चंदौसी तहसील परिसर में राजकीय जिला पुस्तकालय के स्थायी भवन के लिए भूमि चिन्हित की जा चुकी है। भवन निर्माण के लिए बजट उपलब्ध कराने तथा लोक निर्माण विभाग से मानचित्र स्वीकृति की प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा पुस्तकालय के प्रचार-प्रसार के लिए नगर पालिका की एलईडी स्क्रीन का उपयोग करने, पुस्तकालय से दो किलोमीटर के दायरे में स्थित विद्यालयों के विद्यार्थियों का पुस्तकालय भ्रमण कराने तथा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के माध्यम से पुस्तकालय में वातानुकूलित (एसी) व्यवस्था कराने का प्रस्ताव भी रखा गया। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष ने डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना का सुझाव दिया, जबकि भाजपा जिला उपाध्यक्ष विकास वार्ष्णेय ने मौलागढ़ और आटा क्षेत्र में भी डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इंटर कॉलेजों और डिग्री कॉलेजों के साथ समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को पुस्तकालय की सुविधाओं की जानकारी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक छात्र इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत अध्ययनरत प्रतियोगी छात्रों को भी पुस्तकालय की सुविधाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा सहित जिला पुस्तकालय समिति के सदस्य एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चोरी की बाइक काटकर पार्ट्स बेचने वाला गिरफ्तार, बड़ी मात्रा में पुर्जे बरामद

रजपुरा/संभल(सब का सपना):- जनपद में चोरी की मोटरसाइकिलों और उनके पुर्जे काटकर बेचने वाले गिरोहों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना रजपुरा पुलिस को सफलता मिली है। गुरुवार को पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की बाइक के कटे हुए पुर्जे बरामद किए। पुलिस के अनुसार, संबंधित मुकदमे में कार्रवाई करते हुए संदीप पुत्र अमर सिंह को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को देवरा भूरा से बबराला जाने वाले मार्ग पर स्थित एक ईंट भट्ठे से करीब 200

मीटर दूर बंद पड़े मकान के पास से पकड़ा गया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल के कई महत्वपूर्ण पुर्जे बरामद हुए। इनमें दोनों पहिए मय टायर, हेडलाइट, पेट्रोल टंकी, आगे और पीछे के दोनों शॉकर, गद्दी, हैंडल, बैटरी, चेन, चेन कवर, चेन सेट, लेग गार्ड, स्टैंड, वायरिंग केबल, पिछला मडगार्ड, कटा हुआ चेसिस तथा अन्य कटे हुए पुर्जे शामिल हैं। पुलिस ने बरामद सामान को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपी किसी वाहन चोरी गिरोह से जुड़ा है या नहीं तथा अब तक कितनी चोरी की मोटरसाइकिलों को काटकर उनके पुर्जे बेचे जा चुके हैं। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

दरोगा और सिपाही पर गंभीर आरोप, युवक ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के हल्दौर थाना क्षेत्र के कस्बा झालू के निवासी दिलशाद पुत्र अब्दुल रहमान ने पुलिस अधीक्षक बिजनौर को शिकायती पत्र देकर थाना हल्दौर में तैनात उपनिरीक्षक कुलदीप कुमार और सिपाही अमित पर गंभीर आरोप लगाए हैं।शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसने जनवरी 2026 में दोनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ धमकी देने और जबरन ऑनलाइन 10 हजार रुपये डलवाने की शिकायत उच्च अधिकारियों से की थी। इसके बाद से दोनों पुलिसकर्मी उससे रंजिश रखने लगे। पीड़ित का कहना है कि 18 जून 2026 को उसके घर पर कब्जे और तोड़फोड़ की घटना हुई थी, जिसकी रिपोर्ट उसने हल्दौर थाने में दर्ज कराई थी। आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद उपनिरीक्षक ने उस पर फैसले (समझौते) का दबाव बनाया और मना करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि उसके खिलाफ फर्जी कार्रवाई कर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। पीड़ित ने अपने शिकायती पत्र में यह भी कहा है कि संबंधित पुलिसकर्मी एवं अन्य लोगों के खिलाफ पहले से दिए गए प्रार्थना पत्रों पर जांच लंबित है, लेकिन इसके बावजूद उसे लगातार परेशान किया जा रहा है। उसने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

राज्य स्तरीय जूडो महाकुंभ में संभल के खिलाड़ियों का जलवा, बीएसए ने किया सम्मानित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश जूडो एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय जूडो महाकुंभ में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीतने वाले जनपद संभल के खिलाड़ियों का गुरुवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अलका शर्मा ने सम्मान किया। उन्होंने खिलाड़ियों को पदक पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मानित खिलाड़ियों में सिल्वर स्टोन पब्लिक स्कूल, बहजोई की छात्राएं आराध्या सिंह, पावनी शर्मा, नव्या गर्ग, नेहांशी गोयल तथा छात्र अनुराग वार्ष्णेय शामिल रहे। इसके अलावा हेरिटेज पब्लिक स्कूल के छात्र

कृष्णा (मिनी ग्रुप) और बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल के खिलाड़ी नव्या राठौर, नक्श प्रताप एवं अक्षराज को भी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बीएसए अलका शर्मा ने कहा कि जनपद संभल के खिलाड़ियों द्वारा राज्य स्तर पर पदक जीतना पूरे जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जनपद एवं प्रदेश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं। कोच एकांश गुप्ता ने खिलाड़ियों की सफलता का श्रेय उनके निरंतर अभ्यास, अनुशासन और कठिन परिश्रम को दिया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की यह उपलब्धि अन्य बच्चों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी और आने वाले समय में संभल के अधिक से अधिक खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि इसी तरह खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और सुविधाएं मिलती रहीं तो वे देश के लिए भी पदक जीतने का सपना साकार करेंगे।

डीएम को ज्ञापन देकर अमोनियम सल्फेट पर रोक लगाने की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष नितिन सिरोही के नेतृत्व में जिलाधिकारी जसजीत कौर को ज्ञापन सौंपकर जनपद बिजनौर में किसानों को भ्रामक तरीके से बेचे जा रहे अमोनियम सल्फेट उर्वरक पर तत्काल रोक लगाने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि कृषि विभाग, उर्वरक अनुभाग, लखनऊ द्वारा निजी क्षेत्र में आपूर्ति हेतु HURL को एनपीके उर्वरक का आवंटन किया गया था। किंतु किसानों ने शिकायत की है कि निजी दुकानों पर बड़े अक्षरों में "NPK" तथा छोटे अक्षरों में "अमोनियम सल्फेट" लिखकर उर्वरक बेचा जा रहा है। इससे किसान भ्रमित होकर इसे एनपीके उर्वरक समझकर खरीद रहे हैं। भाकियू (अराजनैतिक) ने कहा कि इस प्रकार की पैकेजिंग उत्पाद की वास्तविक पहचान छिपाने तथा किसानों को भ्रमित करने का प्रयास है, जो उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 की भावना एवं प्रावधानों का उल्लंघन है। कृषि निदेशालय, उत्तर

प्रदेश द्वारा जारी पत्रांक 1873 दिनांक 21.09.2016 एवं 1483 दिनांक 15.12.2021 में भी स्पष्ट किया गया है कि भ्रामक नाम, पैकेजिंग अथवा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उर्वरकों का विक्रय दंडनीय अपराध है तथा ऐसे मामलों में उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए। ज्ञापन में कहा गया कि अधिकांश किसान बैग पर बड़े अक्षरों में लिखे नाम और सरकारी व्यवस्था पर भरोसा कर उर्वरक खरीदते हैं तथा छोटे अक्षरों में लिखे तकनीकी विवरण को पढ़ नहीं पाते। ऐसे में किसान स्वाभाविक रूप से इसे एनपीके उर्वरक समझ लेते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान होने के साथ-साथ फसल उत्पादन भी प्रभावित हो सकता है। संगठन ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे वनस्पति घी को शुद्ध देसी घी बताकर नहीं बेचा जा सकता, उसी प्रकार अमोनियम सल्फेट को एनपीके का आभास देकर बेचना भी अनुचित एवं भ्रामक है। संगठन ने विशेष चिंता जताई कि इस प्रकार की आपूर्ति मुख्य रूप से गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में की जा रही है। गन्ने की फसल के लिए नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश तीनों प्रमुख पोषक तत्व आवश्यक होते हैं, जबकि अमोनियम सल्फेट केवल नाइट्रोजन एवं सल्फर का स्रोत है। यदि किसान इसे एनपीके समझकर प्रयोग करेंगे तो फसल में फॉस्फोरस एवं पोटाश की कमी हो सकती है, जिससे उत्पादन, गुणवत्ता तथा किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने स्पष्ट किया कि संगठन को अमोनियम सल्फेट उर्वरक के उसकी वास्तविक पहचान के साथ विक्रय पर कोई आपत्ति नहीं है। आपत्ति केवल इस बात पर है कि यदि किसी उर्वरक को उसकी वास्तविक पहचान छिपाकर अथवा एनपीके का आभास उत्पन्न कर बेचा जा रहा है, तो यह किसानों के साथ छल, कृषि उत्पादन के साथ खिलवाड़ तथा नियामकीय व्यवस्था की अवमानना है। संगठन ने जिलाधिकारी से मांग की कि जनपद में HURL के एनपीके नाम से भ्रामक तरीके से बेचे जा रहे अमोनियम सल्फेट की बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा संबंधित विक्रेताओं एवं जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के अंतर्गत विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष नितिन सिरोही, प्रदेश उपाध्यक्ष अतुल बालियान, जिला मीडिया प्रभारी देवानंद भुइयार, संजीव अहलावत, कपिल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारत एनपीके के नाम पर अमोनियम सल्फेट बेचने का आरोप, भाकियू ने डीएम से की जांच की मांग

बहजोई/संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने जनपद में अमोनियम सल्फेट उर्वरक को कथित रूप से भारत एनपीके नाम से बेचकर किसानों को भ्रमित किए जाने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। संगठन ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत कार्रवाई करने और ऐसे उत्पाद की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। ज्ञापन में जिला अध्यक्ष शंकर सिंह यादव ने कहा कि किसानों की शिकायत है कि निजी उर्वरक दुकानों

पर बड़े अक्षरों में भारत एनपीके और छोटे अक्षरों में अमोनियम सल्फेट लिखे बैग बेचे जा रहे हैं। इससे किसान इसे एनपीके उर्वरक समझकर खरीद रहे हैं, जबकि अमोनियम सल्फेट केवल नाइट्रोजन और सल्फर का स्रोत है। भाकियू नेताओं का कहना है कि एनपीके उर्वरक में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश तीनों तत्व होते हैं, जबकि अमोनियम सल्फेट में फास्फोरस और पोटाश नहीं होते। ऐसे में किसान यदि भ्रमवश इसका प्रयोग करते हैं तो फसल उत्पादन और गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि कृषि निदेशालय द्वारा पूर्व में जारी निर्देशों में भ्रामक नाम या पैकेजिंग के माध्यम से उर्वरक बेचने को दंडनीय बताया गया है। इसलिए पूरे मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष शंकर सिंह यादव, युवा मंडल अध्यक्ष वीरेश यादव, जिला महासचिव शिशुपाल सिंह, तहसील अध्यक्ष वीरपाल सिंह सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई कार, युवक की मौत

बिजनौर (सब का सपना):- मुमेरे भाई की शादी समारोह से लौट रहे पांच युवकों की कार स्योहारा थाना क्षेत्र में लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से पीछे से टकरा गई। हादसे में एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली और उसके चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बुधवार देर रात कांठ थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर गढ़ी में आयोजित शादी समारोह से लौटते समय सदाफल निवासी समीर (16) पुत्र शमीम, अतीक (24) पुत्र शफीक, ईसराईल हुसैन (20) पुत्र

इरशाद, शाहेनूर (21) पुत्र अनवर तथा आदिल (22) पुत्र युसुफ कार से अपने गांव वापस जा रहे थे। स्योहारा थाना क्षेत्र के ग्राम श्यामाबाद के निकट उनकी कार अनियंत्रित होकर आगे चल रही लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जा घुसी। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद समीर, अतीक और ईसराईल हुसैन की गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। उपचार के दौरान ईसराईल हुसैन ने दम तोड़ दिया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं अन्य घायलों का उपचार जारी है। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली और उसके चालक को हिरासत में लेकर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

भूजल संरक्षण को लेकर सीडीओ ने दिए सख्त निर्देश, हर ग्राम पंचायत में होंगे जल संरक्षण कार्य

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर 16 से 22 जुलाई तक जनपद में भूजल सप्ताह मनाया गया। इस दौरान ग्राम पंचायतों, विकास खंडों, नगर पंचायतों और नगर पालिका क्षेत्रों में भूजल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम, रैलियां, गोष्ठियां और शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। भूजल सप्ताह के समापन पर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में गोष्ठी आयोजित हुई। सीडीओ ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए बेहद आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को वर्षा जल संचयन, तालाबों के

पुनर्जीवन, रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग, चेक डैम निर्माण, ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा देने और जल स्रोतों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सरकारी एवं अर्द्धसरकारी भवनों में अनिवार्य रूप से रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली स्थापित करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में तालाबों के निर्माण और पुनरुद्धार का कार्य युद्धस्तर पर कराया जाए। साथ ही आमजन से भी जल संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। बैठक में अपर कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता राजीव कुमार, नलकूप एवं लघु सिंचाई विभाग के अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

अवैध कटान और अतिक्रमण की शिकायतों की जांच के आदेश, वन विभाग ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट

बिजनौर (सब का सपना):- सामाजिक वानिकी प्रभाग, बिजनौर के प्रभागीय निदेशक कार्यालय ने वन क्षेत्र में अवैध कटान, अवैध पातन और अतिक्रमण संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, ग्राम पुवैना, थाना नूरपुर, तहसील चांदपुर जिला बिजनौर निवासी देवेंद्र त्यागी द्वारा आम, शीशम, सागौन, नीम के वृक्षों के अवैध पातन किए जाने की मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल सहित अन्य माध्यमों से की गई शिकायतों के आधार पर मामला संज्ञान में लिया गया है। शिकायत में धामपुर रेंज एवं चांदपुर क्षेत्र में सरकारी एवं प्रतिबंधित प्रजाति के पेड़ों के अवैध पातन तथा अतिक्रमण किए जाने के आरोप लगाए गए हैं। प्रभागीय निदेशक ने संबंधित वन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिकायतकताओं को जांच के समय उपस्थित कर निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा शीघ्र विस्तृत जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जांच में सभी तथ्यों का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। वन विभाग के इस आदेश के बाद क्षेत्र में अवैध कटान और अतिक्रमण के मामलों की निष्पक्ष जांच तथा दोषियों पर कार्रवाई की उम्मीद बढ़ गई है।

जंतर-मंतर पर चंडीगढ़ से पहुंचे प्रदर्शनकारी, बोले-किसी ने रोका तो ईंट से फोड़ देंगे

चंडीगढ़। दिल्ली के जंतर-मंतर पर परीक्षाओं में धांधली और नीट (नीट) पेपर लीक मामले को लेकर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) और हजारों छात्रों का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। यह आंदोलन अब केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है बल्कि मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता समेत चंडीगढ़ जैसे शहरों में छात्रों और 'जेन जी' युवाओं के बीच तेजी से फैल चुका है। चंडीगढ़ से जंतर-मंतर पर पहुंचे प्रदर्शनकारियों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक युवक हाथ में नुकीला पत्थरउठाए कह रहा कि चंडीगढ़ के मौलीजागरां से हूं और किसी ने हमें रोकने की कोशिश की तो ईंट से फोड़ देंगे। वह यह भी बता रहा है कि उसने अपने बंदे भी उधर से बुला लिए हैं। इस युवक को अब दिल्ली समेत चंडीगढ़ की पुलिस तलाश कर रही है। पुलिस इंटरनेट मीडिया पर वायरल फोटो और वीडियो की भी जांच कर रही है।

जींद में खूनी खेल: U-14 ब्लॉक स्तरीय टूनार्मेंट में 15 साल के खिलाड़ी पर चाकुओं से हमला. हालत नाजुक

जींद: जींद के नगूरां गांव स्थित राजकीय स्कूल में आयोजित अंडर-14 ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता उस समय दहशत में बदल गई, जब 6-7 अज्ञात बदमाशों ने पेगां गांव के एक 15 वर्षीय छात्र-खिलाड़ी पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल खिलाड़ी को उपचार के लिए हिसार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, नगूरां के राजकीय स्कूल में अंडर-14 आयु वर्ग की ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। पेगां गांव निवासी 15 वर्षीय यशु, जो अपने स्कूल की ओर से इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने नगूरां आया हुआ था। बुधवार दोपहर जब यशु सरस्वती पब्लिक स्कूल के समीप पहुंचा, तभी 6 से 7 अज्ञात युवकों ने उसे जबरन घेर लिया और उस पर हमला बोल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बदमाशों ने यशु को पकड़कर उस पर बेहद बर्बरता से हमला किया और उसकी पीठ में 2 से 3 बार चाकू घोंप दिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। चाकू लगने से यशु लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों और आयोजकों की मदद से घायल खिलाड़ी को उपचार के लिए जींद के नागरिक अस्पताल ले जाया गयाः प्राथमिक उपचार के दौरान डॉक्टरों ने यशु की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे पी.जी.आई. रोहतक (ढक्क्फ्ङ्क्ष‘) रेफर कर दिया। निजी अस्पताल में भर्तीः परिजनों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे रोहतक की बजाय हिसार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज जारी है। घटना के बाद से परिजनों में भारी आक्रोश है और क्षेत्र में कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर अज्ञात हमलावरों की तलाश की जा रही है।

फायरिंग से दहला नूंह का निजामपुर गांव , 27 वर्षीय युवक की गोली लगने से मौत, 32 नामजद समेत कई पर हत्या का केस दर्ज

नूंह : नूंह जिले के थाना आकेड़ा क्षेत्र के गांव निजामपुर में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने 32 नामजद आरोपियों सहित 20-25 अन्य लोगों के खिलाफ हत्या समेत विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गांव निजामपुर निवासी खुर्शीद पुत्र हुसैना की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 21 जुलाई की शाम करीब 6:30 बजे नामजद आरोपी और उनके साथ अन्य लोग एकत्र होकर उनके परिवार पर ईंट-पत्थरों से हमला करने लगे। इसी दौरान आरोपी अब्बास ने कथित तौर पर अवैध हथियार से खुर्शीद के पुत्र साजिद पर गोली चला दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। गांव में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। मृतक पक्ष के परिजनों का आरोप है कि यह हमला पूर्व नियोजित था। उनका कहना है कि दोनों पक्षों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था और कई बार समझौते के प्रयास भी हुए, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ। घटना के समय बड़ी संख्या में लोगों ने हमला किया, जिसके दौरान साजिद को गोली लगी। परिजनों के अनुसार मृतक साजिद (27) पेशे से मिस्त्री था। वह अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों को छोड़ गया है। परिवार ने सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वही पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार कार्रवाई कर रही हैं। गांव में स्थिति सामान्य एवं नियंत्रण में है।

हांसी जिम ट्रेनर कपिल हत्याकांड, पुलिस मुठभेड़ में मुख्य आरोपी रोहित गिरफ्तार, पिस्तौल व 10 जिंदा कारतूस बरामद

हांसी : हांसी में कुछ दिन पहले चर्चित जिम ट्रेनर कपिल की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या के मामले में हांसी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हत्या के मामले के आरोपी की पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई, जिसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। घायल आरोपी को उपचार के लिए पहले हांसी के सामान्य अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। आरोपी की पहचान भिवानी जिले के बवानीखेड़ा क्षेत्र के गांव भुरटाना निवासी 27 वर्षीय रोहित के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार रोहित के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनका रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कपिल हत्याकांड का आरोपी गांव के पास छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरा देख आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। आरोपी की एक गोली पुलिस की गाड़ी पर लगी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें रोहित के पैर में गोली लग गई और उसे मौके पर ही काबू कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध पिस्तौल और करीब 10 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। घटना की सूचना मिलने पर फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर आवश्यक साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस पूरे घटनाक्रम की गहनता से जांच कर रही है। 11 जून को हुई थी सनसनीखेज हत्या गौरतलब है कि 11 जून की सुबह करीब छह बजे जिम ट्रेनर कपिल अपने जिम के करीब 10 बच्चों को दौड़ की प्रैक्टिस करवाते हुए फव्वारा चौक के पास पहुंचा था। इसी दौरान बाइक पर आए हमलावरों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी थीं। गंभीर रूप से घायल कपिल की मौके पर ही मौत हो गई थी। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए थे और तभी से पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। अब मुख्य आरोपी के पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार होने के बाद पुलिस को उम्मीद है कि इस चर्चित हत्याकांड से जुड़े अन्य आरोपियों और साजिश के पूरे नेटवर्क का भी जल्द खुलासा किया जाएगा।

फतेहाबाद में दिल दहला देने वाली वारदात, पिता ने स्कूल बैग समेत भाखड़ा नहर में फेंकी 5 साल की बच्ची, पंजाब में मिला शव

फतेहाबाद : हरियाणा के फतेहाबाद से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां खुन्नन गांव में एक शख्स ने अपनी 5 वर्षीय बेटी को भाखड़ा नहर में फेंक दिया। वहीं बच्ची का शव पंजाब में मिला। पुलिस के अनुसार, खुन्नन गांव के रहने वाले गुरप्रीत बुधवार को स्कूल पहुंचा और अपनी छोटी बेटी गुरनवाज कौर (5) को स्कूल से ले आया। वह लड़की को अपनी बाइक पर लगभग 30 किमी दूर रोझांवाली ले गया, जहां उसने बच्ची को स्कूल बैग समेत भाखड़ा नहर में फेंक दिया। घर लौटने पर उसने परिवार को जानकारी दी। परिवार वालों ने बताया कि आरोपी पिता कई सालों से मानसिक रूप से परेशान है। सूचना मिलने पर सदर पुलिस और हिसार की रळ्रऋटीमों ने नहर में बच्ची की तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद शव पंजाब में फतेहपुर के पास मिला। शव को पोस्टमार्टम के लिए रतिया भेजा गया है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

पूर्व सीएम चन्नी के बहाने पंजाब में कांग्रेस का अनुशासन संदेश, राहुल-प्रियंका ने बनाई दूरी !

चंडीगढ़। संसद के मानसून सत्र के दौरान कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी से जुड़े दो घटनाक्रमों ने पार्टी की अंदरूनी राजनीति को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। संसद परिसर में वायरल हुए वीडियो में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बातचीत करते दिखाई दिए, जबकि चन्नी कुछ दूरी पर अकेले खड़े नजर आए। इसके बाद युवाओं के मुद्दों और पेपर लीक के विरोध में संसद से निकाले गए मार्च के दौरान भी चन्नी को कोई अलग राजनीतिक तवज्जो मिलती नहीं दिखी। इन घटनाओं के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि कांग्रेस नेतृत्व पंजाब इकाई को संगठनात्मक अनुशासन का संदेश देना चाहता है। हालांकि कांग्रेस ने इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पिछले कुछ महीनों में पंजाब कांग्रेस के कई नेताओं की ओर से अलग-अलग मुद्दों पर व्यक्तिगत राजनीतिक लाइन सामने आती रही है। ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व यह स्पष्ट संकेत देना चाहता है कि पार्टी में व्यक्तिगत छवि से अधिक संगठन का फैसला और सामूहिक नेतृत्व अहम होगा। चर्चा यह भी है कि अब हर नेता को पार्टी की तय रणनीति के अनुरूप ही आगे बढ़ना होगा और सार्वजनिक रूप से अलग राजनीतिक लाइन लेने की गुंजाइश कम होगी। चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब कांग्रेस के सबसे बड़े दलित

चेहरों में गिने जाते हैं। 2021 में कांग्रेस ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटाकर उन्हें राज्य का पहला दलित मुख्यमंत्री बनाया था।

हालांकि 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद प्रदेश संगठन में नेतृत्व को लेकर लगातार बदलाव हुए और अलग-अलग नेताओं के बीच मतभेद की चर्चाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर पहले अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और अब सुखजिंदर सिंह रंधावा की जिम्मेदारी के बीच भी कई बार संगठनात्मक खींचतान की खबरें चर्चा में रहीं। पार्टी के अन्य नेताओं को भी संदेश संसद से सामने आया घटनाक्रम केवल चन्नी तक सीमित नहीं माना जा रहा। इसे पंजाब कांग्रेस के सभी नेताओं के लिए एक व्यापक संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों से पहले पार्टी किसी भी तरह की सार्वजनिक गुटबाजी या समानांतर शक्ति केंद्र की छवि बनने नहीं देना चाहती। पार्टी नेतृत्व चाहता है कि सभी नेता एकजुट होकर केंद्रीय रणनीति के अनुरूप काम करें। वायरल वीडियो पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं हाल के महीनों में चन्नी के कुछ बयानों और राजनीतिक सक्रियता को लेकर भी पार्टी के भीतर अलग-अलग तरह की चचाएं रही हैं। ऐसे में राजनीतिक हलकों का मानना है कि संसद में सामने आई तस्वीरों ने इन अटकलों को और हवा दी है। हालांकि यह भी सच है कि कांग्रेस ने न तो वायरल वीडियो पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है और न ही यह स्वीकार किया है कि किसी नेता को कोई विशेष राजनीतिक संदेश दिया गया। इसलिए इन घटनाओं को फिलहाल राजनीतिक विश्लेषण और पार्टी के भीतर चल रही चचाओं के संदर्भ में ही देखा जा रहा है। आने वाले समय में पंजाब कांग्रेस में नेताओं की भूमिका और संगठनात्मक गतिविधियां इस बात का संकेत देंगी कि मौजूदा चचाएं कितनी सही साबित होती हैं।

'रंगला पंजाब' की ओर बड़ा कदम, पंजाब में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से 35.90 लाख लाभार्थियों को मिल रही वित्तीय सहायता

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में जून 2026 तक विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत 2,150.73 करोड़ रुपये जारी किए हैं। सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर पात्र लाभार्थी को समय पर वित्तीय सहायता मिले, ताकि वह सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर सके। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में 35.90 लाख लोग विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इन योजनाओं के निर्बाध संचालन के लिए सरकार ने

6,131.91 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया है। उनके अनुसार यह सामाजिक न्याय और कमजोर वर्गों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि जून 2026 तक वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 1,423.33 करोड़ रुपये जारी किए गए, जिससे 23.77 लाख वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित हुए। वहीं विधवाओं, आश्रित बच्चों तथा अन्य जरूरतमंद वर्गों के 12.13 लाख लाभार्थियों के लिए अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत 727.40 करोड़ रुपये जारी किए गए। उन्होंने कहा कि समय पर पेंशन और वित्तीय सहायता मिलने से बुजुर्गों व जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल मिल रहा है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे तथा नए आवेदनों की जांच प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार सामाजिक सुरक्षा का दायरा लगातार बढ़ा रही है और यह पहल 'रंगला पंजाब' के संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

चंडीगढ़ में युवाओं को खेलों से जोड़ने की बड़ी पहल, लगातार दो महीने चलेगा अभियान; प्रशासक ने किया शुभारंभ

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने वीरवार को लोकभवन पंजाब में समाज को नशा मुक्त बनाने और युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से "खेल का उपहार, नशे पर प्रहार" अभियान का शुभारंभ किया। कर्तव्यनिष्ठ एवं नशा मुक्ति चेतना संघ के संयुक्त तत्वावधान में शुरू किया गया यह अभियान दो माह तक लगातार चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़कर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के उन बच्चों तक खेल सामग्री पहुंचाना है, जो प्रतिभाशाली होने के बावजूद संसाधनों के अभाव में खेलों में आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत उद्योगपतियों, व्यापारियों, डॉक्टरों, शिक्षाविदों, खिलाड़ियों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों तथा आम नागरिकों से संपर्क कर उन्हें इस जनआंदोलन से जोड़ा जाएगा। उनके सहयोग से क्रिकेट बैट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, हॉकी स्टिक, बैडमिंटन रैकेट, खेल किट, जूते एवं अन्य खेल सामग्री एकत्रित कर जरूरतमंद बच्चों को वितरित की जाएगी। अभियान की शुरूआत में 10,000 लोगों को इस जनअभियान से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान के माध्यम से केवल चंडीगढ़ ही नहीं, बल्कि पंजाब में भी नशा मुक्ति चेतना संघ के सहयोग से इसे व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। साथ ही एकत्रित खेल सामग्री हिमाचल प्रदेश के दुर्गम एवं सीमावर्ती (बॉर्डर) गांवों के जरूरतमंद बच्चों तक भी पहुंचाई जाएगी, ताकि कोई भी बच्चा केवल आर्थिक कठिनाइयों के कारण अपने खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने से वंचित न रहे। अभियान के संयोजक संजीव राणा ने कहा कि यह केवल खेल सामग्री वितरण का अभियान नहीं, बल्कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से निकालकर उन्हें खेल, अनुशासन और राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ाने का जनआंदोलन है।

ग्राम प्रधान के खिलाफ ग्रामीणों का मोर्चा, कई शिकायतों के बाद भी नहीं हुआ समस्या का समाधान

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के एक गांव में ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायतें और प्रार्थना पत्र देने के बावजूद गांव की मुख्य सड़क का निर्माण नहीं कराया गया। बरसात में सड़क पर जलभराव होने से लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है, जबकि स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाबूराम, सौमपाल,ओमपाल सिंह, ब्रजपाल सिंह, रामकिशोर, अमरनाथ मनोज कुमार आदि ग्रामीणो का

कहना है कि उन्होंने मुख्यमंत्री सहित संबंधित अधिकारियों को भी प्रार्थना पत्र भेजकर सड़क निर्माण की मांग की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि ग्राम प्रधान और पंचायत स्तर पर लगातार शिकायतों के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि करीब 75 मीटर लंबा कच्चा मार्ग बारिश के दौरान पूरी तरह जलमग्न हो जाता है, जिससे आवागमन बाधित रहता है और लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क निर्माण नहीं कराया गया तो वे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

ग्रामीणों की मांग है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा मामले की निष्पक्ष जांच कर सड़क का निर्माण जल्द कराया जाए, ताकि वर्षों से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

इस संबंध मे जब ग्राम प्रधान से जानकारी की तो उन्होंन कहा कार्ययोजना मे डाल दिया है ।जैसे कार्य योजना पास होते ही रास्ते का निर्माण जल्द करा दिया जाएगा।

शहीद परिवार के हक पर नहीं चलेगा कानूनी दांव-पेच ! हाई कोर्ट का हरियाणा सरकार पर बड़ा एक्शन

चंडीगढ़: पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने बैटल कैजुअल्टी अधिकारी के आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित करने पर हरियाणा सरकार पर नाराजगी जताई। हाई कोर्ट ने कहा कि सरकार शब्दों की तकनीकी व्याख्या से नौकरी देने से इन्कार नहीं कर सकती। अदालत ने स्पष्ट किया कि राज्य अपनी नीति को कानूनी तकनीकियों के जरिये निष्प्रभावी नहीं बना सकता। जस्टिस निधि गुप्ता ने ब्रिगेडियर अभिमन्यु सिंह राठौड़ के बेटे सक्षम राठौड़ की याचिका मंजूर की। अदालत ने हरियाणा सरकार के अनुकंपा नियुक्ति से इन्कार करने वाले तीनों आदेश रद्द कर दिए। राज्य सरकार को सक्षम राठौड़ को चार माह में अनुकंपा नियुक्ति देने का निर्देश दिया गया। ब्रिगेडियर राठौड़ की 30 जुलाई 2023 को लेह में ऑपरेशन स्नो लेपर्ड के दौरान मृत्यु हुई थी। यह अभियान चीन की आक्रामक गतिविधियों के बीच चलाया जा रहा था। सेना ने 10 जनवरी 2024 को इसे बैटल कैजुअल्टी घोषित किया था। सक्षम राठौड़ ने 28 सितंबर 2018 की नीति के तहत नौकरी का दावा किया था। सरकार ने 16 फरवरी 2024, 24 मई 2024 और 4 दिसंबर 2025 के आदेशों से उनका दावा खारिज किया। सरकार का तर्क था कि नीति में शहीद के आश्रितों को लाभ मिलता है। बैटल कैजुअल्टी के मामले इसके दायरे में नहीं आते।

पंजाबी फिल्मों के अभिनेता रब्बी कंडोली जुड़े वारिस पंजाब दे के साथ, थामा अमृतपाल सिंह की पार्टी का दामन

चंडीगढ़। पंजाब की राजनीति में चुनावी हलचल के बीच पंजाबी फिल्म जगत का एक चर्चित चेहरा भी सक्रिय राजनीति में उतर आया है। पंजाबी फिल्मों के अभिनेता रब्बी कंडोला ने गुरुवार को सांसद अमृतपाल सिंह के नेतृत्व वाली अकाली दल वारिस पंजाब दे की सदस्यता ग्रहण कर ली। पार्टी नेताओं ने इसे संगठन के लिए बड़ी मजबूती बताते हुए दावा किया कि इससे पार्टी की सामाजिक पहुंच बढ़ेगी और युवाओं के बीच संगठन का प्रभाव और मजबूत होगा। पार्टी में शामिल होने के दौरान वरिष्ठ नेता मनप्रीत सिंह अयाली ने रब्बी कंडोला का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि अभिनेता के पार्टी में आने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। उनका मानना है कि रब्बी

कंडोला की लोकप्रियता पार्टी की विचारधारा को अधिक लोगों तक पहुंचाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब और युवाओं से जुड़े मुद्दों को और मजबूती के साथ उठाने में भी उनका योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। पार्टी की सदस्यता लेने के बाद रब्बी कंडोला ने कहा कि वह पार्टी की विचारधारा और पंजाब के हितों के लिए किए जा रहे प्रयासों से प्रभावित होकर इस संगठन से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि पंजाबी मातृभाषा के संरक्षण और प्रचार के लिए पार्टी लगातार काम कर रही है। इसके साथ ही पंजाब के लोगों के अधिकारों और राज्य से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने का काम भी यही राजनीतिक दल कर रहा है। इसी सोच ने उन्हें राजनीति में आने और इस पार्टी से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। रब्बी कंडोला पंजाबी फिल्म उद्योग का जाना-पहचाना नाम हैं। उन्होंने कई चर्चित पंजाबी फिल्मों में अभिनय किया है और अपनी अलग पहचान बनाई है। फिल्मी दुनिया में लंबे समय तक सक्रिय रहने के बाद अब उन्होंने राजनीतिक पारी की शुरूआत की है। ऐसे समय में उनका पार्टी से जुड़ना महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब पंजाब में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज होती जा रही हैं और विभिन्न राजनीतिक दल अपने संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में फरीदकोट से सांसद सरबजीत सिंह खालसा भी मौजूद रहे। इसके अलावा खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। पार्टी नेताओं ने सभी कार्यकताओं से संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने का आह्वान किया।

11 सदस्य और 10 साझेदार देशों ने लिया हिस्सा; टीबी, डिजिटल हेल्थ और पारंपरिक चिकित्सा पर चर्चा

चंडीगढ़। चंडीगढ़। 16वीं ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रिस्तरीय बैठक में दुनिया के कई देशों के स्वास्थ्य मंत्री और प्रतिनिधि चंडीगढ़ में जुटे। बैठक के समापन पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि इस बार भारत ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रिस्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहा है। दो दिनों तक चली इस बैठक में 11 सदस्य देशों और 10 साझेदार देशों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि बैठक में स्वास्थ्य से जुड़े नौ अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें टीबी रिसर्च नेटवर्क को मजबूत करना, डिजिटल हेल्थ सिस्टम को आगे बढ़ाना और पारंपरिक व समेकित चिकित्सा को बढ़ावा देना प्रमुख विषय रहे। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि चंडीगढ़ में हुई इस बैठक से सदस्य और साझेदार देशों के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि बैठक में हुई चर्चा से भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, रिसर्च और नई तकनीकों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों से मिलकर निपटने की दिशा में भी यह बैठक अहम साबित होगी।

ब्रिक्स देशों की सहमति के लिए बनेगा वर्किंग ग्रुप

ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान केंद्रीय आयुष एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि ब्रिक्स में शामिल सभी देशों ने पारंपरिक चिकित्सा (ट्रेडिशनल मेडिसिन) को बढ़ावा देने के लिए एक वर्किंग ग्रुप बनाने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि भारत की हजारों वर्ष पुरानी आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा की परंपरा आज पूरी दुनिया में स्वीकार की जा रही है। जाधव ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा भारत की प्राचीन विरासत है, जिसकी खोज हमारे ऋषि-मुनियों ने लगभग 5000 वर्ष पहले की थी। योग, आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक उपचार पद्धतियों को वैश्विक स्तर पर तेजी से अपनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 से 12 वर्षों में आयुष उत्पादों के निर्यात में लगभग 10 गुना वृद्धि हुई है। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन में 127 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और कई देशों ने अपने यहां आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने की इच्छा जताई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आयुष मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस संकल्प को साकार करने की दिशा में कार्य कर रहा है, जिसके तहत भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को दुनिया के हर कोने तक पहुंचाना लक्ष्य है। ब्रिक्स देशों का यह फैसला वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग को नई दिशा देगा और पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में भारत की भूमिका और मजबूत होगी।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
शुक्रवार 24 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

युवती से छेड़छाड़ के आरोप में दो युवकों पर मुकदमा दर्ज

खुर्जा /बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर कोतवाली पुलिस ने युवती से छेड़छाड़, मारपीट और धमकी देने के आरोप में दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार एक गांव निवासी पीड़ित के अनुसार उसकी पुत्री शाम करीब आठ बजे घर से घेर की ओर जा रही थी, आरोप है कि तभी रास्ते में दो युवकों ने उसे रोककर गाली-गलौज, मारपीट और छेड़छाड़ की। शोर सुनकर लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सादाब समेत दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीओ खुर्जा शोभित कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सिकंदराबाद में भाजपा बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का किया गया आयोजन

सिकंदराबाद /बुलंदशहर(सब का सपना):- जनपद के विधानसभा क्षेत्र के पवन कुटीर हेरिटेज में भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय मंत्री बृजेंद्र सिंह नागर एवं विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र संयोजकों और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया। विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने कहा कि मजबूत बूथ ही भाजपा की चुनावी सफलता का आधार है, जबकि क्षेत्रीय मंत्री बृजेंद्र सिंह नागर ने कार्यकताओं से केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक घर तक पहुंचाने का आह्वान किया।

स्वर्ण पदक विजेता मिताली का आरडीपीडी कॉलेज में किया गया सम्मान

जहांगीराबाद /बुलंदशहर (सब का सपना):- रघुवर दयाल प्रभु दयाल कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय (आरडीपीडी) की एम.ए. समाजशास्त्र की छात्रा मिताली सिंह को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल से स्वर्ण पदक मिलने पर गुरुवार को महाविद्यालय में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कॉलेज प्रबंधन एवं शिक्षकों ने मिताली का अभिनंदन करते हुए उनकी उपलब्धि को संस्थान और क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण बताया। मिताली ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और कड़ी मेहनत को दिया। इस अवसर पर प्रबंधक गिरीश गर्ग, निदेशक शरद अग्रवाल, संयोजक कुलदीप गर्ग, हर्ष अग्रवाल तथा प्राचार्य डॉ. शीनू चौधरी सहित महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

बरहाना में गंदगी से बेहाल ग्रामीण, सफाई कर्मचारी लापता

आम रास्ते पर गंदगी, महिलाओं-बच्चों का निकलना मुश्किल

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के बरहाना गांव में गंदगी के कारण ग्रामीणों का जीवन मुश्किल हो गया है। आम रास्तों पर कचरे के ढेर लगे हैं, जिससे महिलाओं और बच्चों का निकलना भी दूभर हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में तैनात सफाई कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं आता। उसने एक प्राइवेट कर्मचारी लगाया हुआ है जो अपनी मर्जी से काम करता है और किसी की सुनता ही नहीं है।बताते चलें कि डब्बू त्यागी के मकान के सामने पिछले काफी दिनों से गंदगी पसरी हुई है। इसी रास्ते से स्कूली बच्चे भी आते-जाते हैं। बदबू और गंदगी के कारण बीमारी फैलने का डर बना हुआ है।ग्रामीणों डब्बू त्यागी, विनोद, रमेश, उमेश आदि ने कहा कि यदि शीघ्र इस आम रास्ते की साफ-सफाई नहीं कराई गई तो ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर सफाई कर्मचारी की शिकायत करेगा।

श्री हरिदास चैरिटेबल ट्रस्ट ने कराया गरीब कन्या का विवाह

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- हरिदास चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक श्री सोनपाल चौहान के सिद्धेश्वर रोड स्थित आवास पर नगला शेखू निवासी विवेक चौधरी की पुत्री पूजा का विवाह हिंदू रीति-रिवाज एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न कराया गया। इस अवसर पर सोनपाल चौहान ने कन्यादान कर नवदंपति के सुखी एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष बाबा जयप्रकाश ने कहा कि ट्रस्ट गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की सेवा के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। जिला अध्यक्ष डीसी गुप्ता कांटे वाले ने मानव सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए समाज के सक्षम लोगों से जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया। इस अवसर पर वर-वधू पक्ष के परिजनों सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अलीगढ़ में देर रात सड़कों पर उतरे एसपी सिटी, पैदल गश्त कर परखी सुरक्षा व्यवस्था; कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पर परखे कैमरे

अलीगढ़। शहर में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक नगर आदित्य बंसल ने देर रात शहर के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग कराई तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। एसपी सिटी ने मलखान सिंह रोड, रसलगंज, मैरिस रोड चौराहा और अब्दुल्ला कॉलेज क्षेत्र में पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न चेकिंग प्वाइंट्स पर तैनात पुलिसकर्मियों से बातचीत कर प्रभावी चेकिंग अभियान लगातार जारी रखने के निर्देश दिए। इसके बाद एसपी सिटी इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पहुंचे। जहां उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सिटी सर्किल के विभिन्न चेकिंग प्वाइंट्स की निगरानी व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने ऑपरेटरों को संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखने तथा किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वाहन की सूचना तत्काल संबंधित थाना और फील्ड पुलिस तक पहुंचाकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। देर रात ही उन्होंने थाना देहलीगेट का औचक निरीक्षण भी किया।

आर.के. पब्लिक स्कूल में स्काउट एवं गाइड गतिविधियों का हुआ शुभारंभ

औरंगाबाद/ बुलंदशहर(सब का सपना):- आर.के. पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए स्काउट एवं गाइड गतिविधियों का शुभारंभ किया गया। स्कूल प्रबंधक शाहिद अली ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, सेवा-भाव, टीमवर्क तथा राष्ट्रप्रेम की भावना का विकास करना है। स्काउट एवं गाइड कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रशिक्षण, सामाजिक सेवा, साहसिक गतिविधियों एवं व्यक्तित्व विकास के अवसर प्रदान

किए जाएंगे। भारत में स्काउट एवं गाइड आंदोलन का उद्देश्य युवाओं में जिम्मेदार नागरिकता और सेवा-भाव का विकास करना है। इस अवसर पर स्काउट एवं गाइड कमिश्नर पवन राठी तथा अमर सिंह इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रमेश चंद्र पांडेय की गरिमामयी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। दोनों अतिथियों ने विद्यार्थियों को स्काउट एवं गाइड के सिद्धांतों का पालन करते हुए अनुशासित, सेवाभावी एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। प्रबंधक शाहिद अली एवं प्रधानाचार्य नगेंद्र सिंह ने बताया कि यह पहल विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण एवं जीवन कौशल को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विद्यालय परिवार ने इस नई शुरूआत पर सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं तथा उन्हें उत्साहपूर्वक इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

हर्ष फायरिंग में पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

शिकारपुर/ बुलंदशहर (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र के गांव नूरपुर नगरिया अजनारा में एक सगाई समारोह के दौरान लाइसेंसी हथियारों से की गई फायरिंग की सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस एक्शन मोड में आई है। पुलिस ने एक नामजद समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। दरोगा पुनीत कुमार ने बताया कि 21 जुलाई को गांव नूरपुर नगलिया अजनारा में विष्णु की सगाई समारोह का कार्यक्रम था, जिसमें तीन युवकों द्वारा लाइसेंसी हथियारों से फायरिंग की गई थी, जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो की जानकारी मिलने के बाद की गई जांच पड़ताल में वीडियो में फायरिंग करने वाले लोगों के नाम का खुलासा हुआ है। उन्होंने बताया कि गांव के सुरेश पुत्र कृष्णवीर के हथियार तथा अन्य व्यक्ति द्वारा पिस्टल से फायरिंग की गई। इसके बाद सुरेश के खिलाफ अपने हथियार को दूसरे को देने और दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ फायरिंग कर दूसरों का जीवन खतरे में डालने की घटना करने का अपराध घटित करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

एफआईआर के बावजूद दिल्ली पहुंचे कांग्रेस जिलाध्यक्ष, शिक्षा मंत्री का पुतला फूंकने के मामले में 12 पर मुकदमा

बुलंदशहर (सब का सपना):- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंकने के मामले में बुलंदशहर नगर कोतवाली पुलिस ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान समेत 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस द्वारा हाउस अरेस्ट किए जाने और मुकदमा दर्ज होने के बावजूद कांग्रेस जिलाध्यक्ष अपने समर्थकों के साथ दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय पहुंच गए। कांग्रेस का आरोप है कि दिल्ली में छात्रों के आंदोलन और राहुल गांधी व प्रियंका गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में

प्रदर्शन करने पर पुलिस ने कार्रवाई की है। जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान ने कहा कि सरकार के दबाव में कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है और जनहित के मुद्दे उठाने पर दर्ज होने वाली एफआईआर से वे पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने बुलंदशहर पुलिस पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाते हुए जल्द एसएसपी कार्यालय के घेराव की चेतावनी भी दी।

एनसीसी कैडेट्स को किये गए सर्टिफिकेट वितरित

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय में 25 एनसीसी कैडेट्स को बी व सी सर्टिफिकेट का वितरण किया गया। गुरुवार को 39वीं यूपी बटालियन एनसीसी खुर्जा के सूबेदार अवतार सिंह, प्राचार्य डॉक्टर ललित गुप्ता, सुशील बंसल, मुकेश गर्ग, पुरूषोत्तम वार्ष्णेय द्वारा कैडेटस को प्रमाण पत्र सौंपे गए। प्राचार्य डॉ ललित गुप्ता ने एनसीसी कैडेट को प्रमाण पत्र की आवश्यकता के बारे में बताते हुए कहा कि इनका महत्व भर्ती के समय

मालूम होता है क्योंकि यह विभिन्न प्रकार के सुरक्षा बलों में भर्ती के लिए अनिवार्य होते हैं। एनसीसी कैडेट्स को प्रमाण पत्र वितरित करने वालों में एनसीसी के एएनओ डॉक्टर नीरज कुमार, ट्रेनर यंगवीर सिंह, रेशू भारद्वाज, गुणेश कुमार आदि भी शामिल रहे।

भड़ूरिया नवमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, जरेला बाबा मंदिर में 28वें विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- मंगलपुर रोसला स्थित प्राचीन जरेला बाबा मंदिर में भड़ूरिया नवमी के पावन अवसर पर आयोजित 28वें वार्षिक विशाल भंडारे में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। क्षेत्र के विभिन्न गांवों और नगरों से हजारों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, बाबा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा विशाल भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ अर्जित किया।

भंडारे से एक दिन पूर्व बुधवार रात्रि मंदिर परिसर में भव्य भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। देर रात तक श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर भजनों का आनंद लेते रहे। गुरुवार सुबह विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना एवं महाआरती संपन्न हुई, जिसके उपरांत विशाल भंडारे का शुभारंभ किया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में स्वयंसेवकों ने

सराहनीय योगदान दिया। आयोजकों ने बताया कि भड़ूरिया नवमी पर यह भंडारा पिछले 28 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है, जिसमें दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर बाबा के दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण करते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय गर्ग, सतीश चंद्र गर्ग, आशीष सिंघल, अरुण कौशिक, संजय चिराग, सुधीर पंसारी, बिट्टू ठेकेदार, संजय सरजी, रिंकू, सुरेश गर्ग सहित अनेक श्रद्धालुओं एवं स्वयंसेवकों का विशेष सहयोग रहा।

एकीकृत बागवानी मिशन परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बुगरासी/बुलंदशहर(सब का सपना):- आम की विभिन्न प्रजातियों के लिए विख्यात है। और स्याना तहसील को फल पट्टी के नाम से भी जाना जाता है। स्याना क्षेत्र में चोसा आम की प्रजाति पर संकट मंडरा रहा है। बताया जा रहा है की चौसा के आम की प्रजाति को उकटा जैसी गंभीर बीमारी आ गई है जिससे कि चौसा आम की वैरायटी विलुप्त होने की कगार पर है। इसी क्रम में आम की पैदावार बढ़ाने और किसानों के आय दुगनी करने के उद्देश्य से लखनऊ स्थित केंद्रीय उपयोग बागवानी संस्थान रमन खेड़ा के वैज्ञानिकों की टीम बुधवार को बुलंदशहर तहसील सियाना क्षेत्र के फल पट्टी में पहुंची। वैज्ञानिकों ने मधुसूदन के संरक्षक बब्बन मियां के आम के बाग में जाकर वैज्ञानिक ने राज्य दिशा कमेटी के सदस्य बब्बन मियां के बाग में जाकर उत्पादकों के

साथ जागरूकता कार्यक्रम किया। प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर प्रभात कुमार ने डा सुशील कुमार सर्विस इंजीनियर अनिकेत कुमार और आनंद झा ने कहा कि किसानों को उन्नत किस्मो की वैज्ञानिक विधि द्वारा पेड़ों की कटाई चटाई व संतुलित प्रयोग और पौधों की सिंचाई प्रतिबंध के बारे में विस्तार से जानकारी दी । आम में लगने वाले सुख और उक्त रोग के साथ ही माइलवग इतना छिड़क पाउडरी मिल्डयू और जैसे कीट रोगों की पहचान एवं उनके जैविक व रासायनिक नियंत्रण के उपाय बताएं उन्होंने उपज कीगुणवत्ता सुधारने और भंडारण आधुनिक तरीकों पर भी चर्चा की कार्यक्रम के दौरान आम उत्पादकों ने वैज्ञानिकों से सीधे संवाद करें और अपनी समस्या साजा कि और किसानों ने विशेष रूप से आम के वर्षों में सुख जैसी गंभीर बीमारी के बारे अवगवत कराया। वैज्ञानिकों ने किसानों की इस गंभीर समस्या को उपाय और निर्देश दिए। इस मौके पर क्षेत्र के दर्जन भर आम के व्यापारी मौजूद रहे।

द्वारका पुलिस का डबल एक्शन: शातिर स्नैचर-ऑटो लिफ्टर गिरफ्तार, 'ऑपरेशन मिलाप' में 3 मासूम सकुशल परिजनों से मिलाए

नई दिल्ली, 23 जुलाई। द्वारका जिला पुलिस ने एक ही दिन में अपराधियों पर सख्त कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दो बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। एक ओर ढर सेक्टर-23 की टीम ने 8 आपराधिक मामलों में शामिल शातिर स्नैचर एवं ऑटो लिफ्टर विपिन उर्फ काले उर्फ बंदर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 स्नैच किया गया मोबाइल, 1 चोरी का मोबाइल और 3 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, वहीं दूसरी ओर ऑपरेशन मिलाप के तहत लापता हुए 3 मासूम बच्चों को कुछ ही घंटों में सकुशल तलाश कर उनके परिवार के हवाले कर दिया। डीसीपी द्वारका श्रीयुत कुशल पाल सिंह (IPS) के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई की पूरे जिले में सराहना हो रही है। पुलिस के अनुसार 3 जुलाई को

बामनौली, सेक्टर-28 क्षेत्र में मोबाइल स्नैचिंग की घटना के बाद SHO इंस्पेक्टर बिजेंद्र कुमार चिल्लर के निर्देशन तथा ACP किशोर कुमार की निगरानी में HC देवी सिंह, HC शेर सिंह, HC विक्की, HC कृष्ण, कॉन्स्टेबल राजेश और कॉन्स्टेबल सचिन की टीम गठित की गई। टीम ने 50 से अधिक CCTV कैमरों की फुटेज, तकनीकी सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी और स्नैचिंग की कई वारदातों को अंजाम देने की बात कबूल की। जांच में उसके खिलाफ पहले से 8 आपराधिक मुकदमे दर्ज पाए गए। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर तीन चोरी की मोटरसाइकिलें और दो मोबाइल फोन बरामद कर कई मामलों का खुलासा किया। इसी दिन ऑपरेशन मिलाप के तहत PS सेक्टर-23 पुलिस ने एक और सराहनीय कार्य करते हुए खेलते समय लापता हुए 10, 9 और 5 वर्ष के तीन बच्चों को महज कुछ घंटों की मेहनत के बाद होली चौक, पोचनपुर क्षेत्र से सकुशल खोज निकाला। रकनवीन यादव और लउ विनोद की टीम ने वायरलेस अलर्ट, स्थानीय पूछताछ, CCTV फुटेज और तकनीकी जांच के जरिए बच्चों का पता लगाया और सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्हें सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। द्वारका पुलिस की इन दोनों सफलताओं ने यह साबित कर दिया कि अपराधियों पर सख्त कार्रवाई के साथ-साथ आम जनता, खासकर बच्चों की सुरक्षा भी पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डीयू में नए सत्र से पहले सुरक्षा बढ़ाने की मांग, ओरिएंटेशन में महिला पुलिस और परिसरों में सीसीटीवी की डिमांड

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में 28 जुलाई से शुरू हो रहे शैक्षिक सत्र 2026-27 से पहले फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस ने महिला शिक्षिकाओं और छात्राओं की सुरक्षा को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन से व्यापक सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है। फोरम के चेयरमैन प्रो. हंसराज सुमन ने कुलपति प्रो. योगेश सिंह को पत्र लिखकर नॉर्थ कैंपस, साउथ कैंपस तथा डीयू से संबद्ध कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाने, ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान महिला पुलिस और महिला सुरक्षाकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है कि हाल के धरना-प्रदर्शनों और देशभर में चल रहे नीट आंदोलन को देखते हुए परिसर की सुरक्षा मजबूत करना जरूरी है। फोरम ने सांध्यकालीन कॉलेजों, प्रयोगशालाओं और शोध कार्य का समय शाम सात बजे तक सीमित करने की भी मांग की है। इवनिंग कॉलेजों का समय तय करने की अपील प्रो. सुमन ने कहा कि बड़ी संख्या में छात्राएं दिल्ली-एनसीआर के दूरदराज क्षेत्रों से पढ़ने आती हैं और देर शाम कक्षाएं तथा क्लस्टर केंद्रों से लौटने में सुरक्षा संबंधी चिंता बनी रहती है। उन्होंने याद दिलाया कि विश्वविद्यालय पहले भी सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान महिला शौचालयों और ग्रीन रूम के बाहर सीसीटीवी लगाने के निर्देश जारी कर चुका है।

14.84 करोड़ की साइबर ठगी के आरोपी को क्यों मिली राहत? पुलिस को एक गलती कोर्ट में पड़ी भारी

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने 14.84 करोड़ रुपये के डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी मामले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि गिरफ्तारी के आधार, आरोपित और उसके परिजनों को कानून के तहत तय समय में बताना अनिवार्य है। ऐसा नहीं होने पर गिरफ्तारी अवैध हो जाती है। इसी आधार पर अदालत ने आरोपित दिव्यांग पटेल को जमानत दे दी। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश सुशांत चंगोत्रा ने कहा कि जांच अधिकारी यह प्रथमदृष्टया साबित नहीं कर सके कि गिरफ्तारी के आधार आरोपित के परिजनों को समय पर लिखित रूप में उपलब्ध कराए गए। अदालत ने कहा कि यह

संविधान के अनुच्छेद 21 और 22(1) के तहत मिले अधिकारों का उल्लंघन है। ऐसे में आरोपपत्र दाखिल होने के बावजूद गिरफ्तारी में हुई संवैधानिक खामी खत्म नहीं होती। अदालत ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि आरोपित के खिलाफ आरोप गंभीर हैं और जांच के अनुसार वह साइबर ठगी की साजिश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। इसके बावजूद संवैधानिक प्रक्रिया का पालन अनिवार्य है और उसमें चूक होने पर आरोपित को राहत दी जा सकती है। मामला 14.84 करोड़ रुपये की डिजिटल अरेस्ट ठगी से जुड़ा है, जिसमें सीबीआई का आरोप है कि ठगी के चार करोड़ रुपये आरोपित के एनजीओ के खाते में आए और बाद में अन्य खातों में भेजे गए। जांच एजेंसी ने जमानत का विरोध करते हुए आरोपित को संगठित साइबर अपराध का अहम सदस्य बताया था। अदालत ने आरोपित को 50 हजार रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के एक जमानती पर जमानत देते हुए जांच में सहयोग करने, गवाहों को प्रभावित नहीं करने और बिना अनुमति देश छोड़कर नहीं जाने की शर्तें लगाई हैं। दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर दिल्ली के एक बुजुर्ग एनआरआई डॉक्टर दंपती से 14.84 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में वडोदरा के दिव्यांग पटेल को गिरफ्तार किया है।

'सीजेपी की लीडरशिप ने ठुकराया था बातचीत का ऑफर', बवाल के बाद सामने आई अहम जानकारी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बीच हुए बवाल के बाद गुरुवार को एक अहम सूचना सामने आई है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि विरोध कर रही कॉकरोच जनता पार्टी को बातचीत जारी रखने का ऑफर

भेजा गया था, लेकिन सीजेपी की लीडरशिप ने इस ऑफर से इनकार कर दिया था। दिल्ली में पिछले दो-तीन दिन में उपद्रवियों द्वारा किए गए बवाल में कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए थे। इनमें दो एसीपी भी घायल हुए हैं। प्रस्ताव ठुकरा दिया सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि बुधवार सुबह पुलिस ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के आवास पर फिर वार्ता करने का संदेश दिया, लेकिन उन्होंने प्रस्ताव ठुकरा दिया। अब बातचीत या तो जंतर-मंतर पर होगी या आसपास किसी तटस्थ स्थल पर। वहीं, एक अन्य प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि हमलोग शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से पहले नहीं हटेंगे। हमारी तीन मांगें हैं। किसी समर्थक पर मुकदमा न हो, चोटिल कार्यकताओं को मुआवजा मिले और शिक्षा मंत्री बर्खास्त किए जाएं।

जानकारी

सोने से पहले पैरों की मालिश करना कई वजहों से फायदेमंद

सिर पर तेल की मालिश लंबे समय से सिरदर्द के इलाज, तनाव को कम करने और थकान के प्रभावी उपचार के लिए एक आसान और बेहतर उपाय है। आज बाजार में कई तरह के तेल उपलब्ध हैं, जिनके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। वहीं कुछ लोग एक थका देने वाले सप्ताह के बाद आराम करने के लिए बॉडी मसाज का भी सहारा लेते हैं। चाहे वह त्वचा हो या बाल, विभिन्न प्रकार के तेल हमेशा एक बेहतर इलाज के विकल्प बने रहते हैं। शारीरिक गतिविधियों और व्यस्त कार्यक्रम से पैरों में ऐंठन और दर्द हो सकता है। दर्द को ठीक करने का सबसे सरल उपचार है कि आप आराम से पैर की मालिश करें। वहीं पैर की मालिश से सिर्फ आपके पैरों को ही आराम नहीं मिलता, बल्कि इसके कई और स्वास्थ्यकारी फायदे भी हैं। नेचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. निलोफर उस्मान खान नियमित रूप से सोने से पहले 10 से 15 मिनट तक पैरों की मालिश करने के कई फायदे बताती हैं। आइए हम आपको बताते हैं इसके बारे में।

जोड़ों के दर्द के लिए मालिश फायदेमंद

सोने से पहले पैरों की तेल मालिश उन लोगों के लिए बहुत अच्छी है, जो नियमित रूप से जोड़ों में दर्द की शिकायत करते हैं। बस तेल लगाना और दर्दनाक जोड़ों की मालिश करना सबसे अच्छा घरेलू उपाय है, जो कष्टदायी दर्द से तुरंत राहत प्रदान करता है। दर्दनाक जोड़ों पर तेल की मालिश का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे थोड़ा गर्म किया जाए। गुनगुना तेल न सिर्फ जोड़ को मजबूत बनाता है बल्कि दर्द और परेशानी से छुटकारा पाने में मदद करता है। इसके अलावा, नियमित रूप से तेल की मालिश हड्डियों में विकृति से छुटकारा पाने के लिए भी एक अच्छा उपाय है। यही कारण है कि नवजात शिशुओं के लिए तेल की मालिश बहुत जरूरी है।

पीएमएस के दौरान मिलता है आराम

पीएमएस यानी कि प्री मेंस्ट्रूएशन सिंड्रोम। यह समस्या लाखों महिलाओं को सताती है। महिलाओं को पता है कि वे पीएमएस के दौरान काफी कर्कश हो जाती हैं। साथ ही उन्हें सोने में परेशानी है और कमर में दर्द का भी सामना करना पड़ता है। पीएमएस की वजह से होने वाले दर्द और कर्कशता से राहत पाने के लिए कोई दवा पर्याप्त नहीं है। पर इसमें पहले पैरों की मालिश काम आ सकती है। इसके लिए आप सरसो के तेल को गर्म करके तलवों में और पैरों में लग सकती हैं। इसके अलावा इसे आप अपनी कमर में भी लगा सकती हैं। इस तरह ये आपको काफी आराम पहुंचाएगा। साथ ही साथ आपका माथा भी ठंडा कर देगा और आप स्ट्रेस फ्री फील करेंगी।

ब्लड सर्कुलेशन को बनाती है बेहतर

हमारे शरीर में ब्लड कई अंगों को ऑक्सीजन व पोषक तत्वों की आपूर्ति करता है। सोने से पहले कुछ मिनट पैर की मालिश करने से आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पैर और तलवों में कई सारे प्रेशर प्लाइंट्स है, जिन्हें तेल मसाज से फायदा मिलता है। इस तरह तेल मसाज करने से आपको कुछ ही समय में तनाव से छुटकारा मिल सकता है। यह न केवल आपको आराम देता है बल्कि नींद को प्रेरित करता है। साथ ही, मांसपेशियों में ऐंठन और थकान की संभावना को कम करने के लिए उचित रक्त परिसंचरण के लिए भी जरूरी है। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आप पाएंगे कि तेल मालिश से आपके पूरे शरीर को आराम मिल रहा है।

लो ब्लड प्रेशर का बेहतर इलाज

शरीर को बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए, हाइड्रेटेड रहना आवश्यक है। यदि आप उन लोगों में से हैं, जिनका शरीर बहुत जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है, तो अपने ब्लड प्रेशर का ध्यान रखें। कारणों और अन्य कारकों के आधार पर लो ब्लड प्रेशर को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। इन कारकों में मानसिक विकार, खाने के बाद तंत्रिका तंत्र को नुकसान, और यहां तक किसी चीज की कमी के कारण भी अचानक खड़े होने से आपको लो ब्लड प्रेशर की परेशानी हो सकती है। ऐसे में सोने से पहले 10 मिनट के लिए अपने पैरों की मालिश करें। यह शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को नियंत्रित करेगा, जिससे एक आरामदायक नींद आएगी और धीरे-धारे आपका ब्लड प्रेशर नॉर्मल हो जाएगा।

माइग्रेन को लेकर आपके मन में हैं ये भ्रम? तो जानें इनके पीछे की सच्चाई

आम लोगों में माइग्रेन को लेकर कई गलतफहमियां भी हैं, जिस पर भरोसा करने से पहले आप उसके पीछे के साइंस और अपने डॉक्टर की राय जरूर जान लें।

माइग्रेन से पीड़ित व्यक्तियों में गंभीर सिरदर्द के साथ-साथ मतली, उल्टी और लाइट के प्रति सेंसिटिविटी के साथ इसे संदर्भित किया जाता है। औसतन लोगों में माइग्रेन का दर्द 4 घंटे से 3 दिनों तक रहता है और कभी-कभी अधिक समय तक के लिए भी बढ़ सकता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में माइग्रेन आम तौर पर अधिक पाया जाता है। माइग्रेन के कारणों में लाइफ स्टाइल के अलावा भी कई और वजह हैं। वहीं माइग्रेन के कारण मस्तिष्क में परिवर्तन के साथ-साथ परिवारों में चलने वाले जीन से संबंधित भी हो सकते हैं। आप इसे इनहेरीटेड ट्रिगर भी कर सकते हैं, जो आपको थकान, तेज रोशनी, सिरदर्द, मौसम परिवर्तन और अन्य जैसे कई कारणों से माइग्रेन देता है। पर आम लोगों में माइग्रेन से जुड़े कुछ मिथक या कहें कि भ्रम भी हैं। आइए आज हम आपको इन मिथकों से जुड़े कुछ तथ्य भी बताते हैं।

माइग्रेन के जुड़े 4 मिथक और उनके पीछे के तथ्य

मिथक 1

सिर्फ सिरदर्द है माइग्रेन

अक्सर लोगों को लगता है कि माइग्रेन सिर्फ एक सिरदर्द है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। दरअसल बहुत से लोगों को लगता है कि माइग्रेन एक तरह का तेज सिरदर्द होता है, जबकि साइंस की मानें, तो माइग्रेन में सिरदर्द सिर्फ एक लक्षण है, जबकि इसके कई और भी लक्षण हैं। सिरदर्द के साथ-साथ, माइग्रेन में मतली, लाइट के प्रति सेंसिटिविटी, एकाग्रता में कठिनाई, चक्कर, कमजोरी, उल्टी और चेतना की हानि का कारण बनता है। माइग्रेन एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें मस्तिष्क में कभी-कभी कार्यात्मक और संरचनात्मक परिवर्तन होते हैं। इसके अलावा, माइग्रेन की कई और विशेषताएं भी हैं। सिरदर्द विकारों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण ढांचा है, जिसका उपयोग डॉक्टर सिरदर्द के दर्द को मापने के लिए कर सकते हैं और अमेरिकन माइग्रेन फाउंडेशन ने माइग्रेन से पीड़ित लोगों को इसे निर्धारित करने में कई मापदंड बनाए हैं। माइग्रेन सिर दर्द से अलग है, क्योंकि इसकी अवधि, गंभीरता और लक्षण इसे कई और तरह से अलग करते हैं।

मिथक 2

कैफीन ही माइग्रेन का कारण है

हमेशा कैफीन माइग्रेन का कारण नहीं होता है, बल्कि कैफीन कुछ सबसे प्रभावी सिरदर्द दवाओं में पाया जाता है। कई रोगियों के लिए कॉफी या सोडा जैसे कैफीनयुक्त पेय सिर दर्द को कम करने में मदद करता है। आपके लिए कैफीन दैनिक सिरदर्द में भी कारगार साबित हो सकता है। इसके अलावा भी कैफीन के कई और नुकसान हो सकते हैं, माइग्रेन ही अकेला क्यों? दरअसल बात ये है कि सभी को कैफीन से जुड़ी ये कोई भी चीज एक नियमित मात्रा में ही लेनी चाहिए। इसके अलावा अपने बाकी जीवनशैली का ख्याल रखें, क्योंकि कुछ प्रमाण हैं कि बार-बार माइग्रेन होने के पीछे न्यूट्रास्युटिकल कारण हो सकते हैं। इसके अलावा आपके खाने से मिलने वाले कुछ पदार्थों में राइबोफ्लेविन (विटामिन -बी 2) कोएंजाइम और मैग्नीशियम भी कारण हो सकते हैं। इसके लिए किसी भी डॉक्टर या सिरदर्द विशेषज्ञ से पूछें और वे आपको बताएंगे कि इसके इलाज में पूरक आहार को सर्वोत्तम रूप से कैसे और किस तरह से लें।

माइग्रेन से बचने का उपाय

आमतौर पर माइग्रेन को ट्रिगर में अल्कोहल, ग्लूटेन, मोनोसोडियम ग्लूटामेट और हिस्टामाइन युक्त खाद्य पदार्थ, डार्क चॉकलेट आदि शामिल हैं, तो इसे ठीक करने के लिए इन चीजों का सेवन कम करें या बंद करें, क्योंकि हर रोगी के शरीर में भोजन की प्रक्रिया अलग-अलग होती है। माइग्रेन से पीड़ित लोग के लिए सबसे अच्छा उपाय ये हैं, अपने माइग्रेन को ट्रिगर्स करने वाले कारणों को जानें और ज्यादा से ज्यादा उससे बचने की कोशिश करें। इसके साथ ही स्ट्रेस, गलत जीवनशैली और देर रात तक जागने की आदत पर कंट्रोल करने की कोशिश करें।

मिथक 3

केवल महिलाओं और वयस्कों को माइग्रेन होता है

माइग्रेन बच्चों को भी हो सकता है। वास्तव में, पांच साल से छोटे बच्चे माइग्रेन के सिरदर्द का अनुभव कर सकते हैं। वे पेट में दर्द, चिड़चिड़ापन, एपिसोडिक भ्रम, गंभीर चक्कर आना, एकाग्रता में कठिनाई और अत्यधिक थकान महसूस कर सकते हैं। महिलाओं को माइग्रेन होने की संभावना तीन गुना अधिक होती है, लेकिन पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित होते हैं, जैसे कि 18-20 प्रतिशत महिलाएं, तो 8-10 प्रतिशत पुरुष भी माइग्रेन से पीड़ित हैं। इसलिए किसी विशेष आयु वर्ग और लिंग को किसी भी बीमारी से जोड़ना गलत है।

मिथक 4

माइग्रेन को ठीक करने के लिए लें ज्यादा से ज्यादा दवाइयां

दुर्भाग्य से, व्यक्तिगत तौर पर माइग्रेन के इलाज के लिए लोग ज्यादा से ज्यादा दवाइयों की मदद लेने के बारे में सोचते हैं। हालांकि ये गलत है। दवाईयां वास्तव में इसे बदतर बना सकती है। माइग्रेन के साथ रहने वाले कुछ लोग 'रिबाउंड सिरदर्द' की शिकायत करते हैं, लेकिन उस घटना के लिए चिकित्सा शब्द 'मेडिकेशन ओवर्यूज सिरदर्द' है। तीव्र माइग्रेन के दर्द का इलाज करने के लिए बहुत अधिक दवा लेने से भविष्य में अधिक लगातार और अधिक गंभीर माइग्रेन के होने का खतरा पैदा हो सकता है। यहां तक कि इसका इलाज करना और अधिक कठिन हो सकता है।

सेहत

रात में केला खाने से नहीं होता कोई नुकसान

वैसे तो लोग सभी फ्रूट्स को सेहतमंद मानते हैं, लेकिन कुछ फ्रूट्स ऐसे होते हैं, जो हमारे लिए काफी फायदेमंद होते हैं। केला एक ऐसा ही फल है, जो पूरी दुनिया में बड़ी संख्या में खाया जाता है। केले में बहुत से जरूरी न्यूट्रीएंट्स और विटामिन मौजूद हैं, जो हमारे शरीर में कई तरह की पूर्ति करता है। येलो फ्रूट्स में फाइबर, पोटैशियम, मैगनेशियम, कैल्शियम और विटामिन मौजूद होते हैं। यह हमारे वजन को कम करने के साथ ही हमारे हार्ट को भी स्वस्थ रखता है, लेकिन कई लोग मानते हैं की केले का रात में सेवन करने से सर्दी और खासी जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

नींद को और अच्छा बनाने में मददगार है येलो फ्रूट्स

रात में केले का सेवन करने से कोई परेशानी हो सकती है या नहीं इसका कोई साइंटिफिक प्रूफ सामने नहीं आया है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक केले का सेवन रात में करने से कई तरह की दिक्कत हो सकती है। जैसे की सर्दी होना या फिर गला बंद हो सकता है। फ्रूट्स की बात करें तो केला एक ऐसा फ्रूट है, जो भारी मात्रा में हमें स्वस्थ रखने का काम करता है, लेकिन आयुर्वेद के मुताबिक, रात में केले का सेवन करना सही नहीं। रात में केले का सेवन करना इसलिए हानिकारक है, क्योंकि रात के समय हमारे शरीर में मैटाबॉलिसम कम होता है जिससे केला हमारे पेट में कई दिक्कतें पैदा करता है।

अध्ययन में इस बात का पता चला कि येलो फ्रूट्स में कई तरह के जरूरी न्यूट्रीएंट्स होते हैं, जो हमारी नींद को और अच्छा बनाने में मदद करता है। इसके अलावा आप अगर नींद के लिए किसी गोली या दवाई का सेवन कर रहे हैं तो आप उन दवाई को छोड़कर रात में पहले केले का सेवन कर सकते हैं। एक केले में लगभग 105 कैलोरी होती है। आप रात में 500 से कम कैलोरी का सेवन करना चाहते हैं तो, दूध के साथ 2 केले खाना आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। अगर आधी रात में मीठा खाने की इच्छा होने लगे तो केला खा लें। केले की मिठास आपकी लालसा को दूर करने में मददगार साबित होती है।

यदि आप शाम के समय में एक्सरसाइज करने के बाद केला खाते हैं, तो लाभदायक होगा। एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग मसालेदार फूड ज्यादा खाते हैं। उनके लिए रात में केला खाना फायदेमंद है। दरअसल, ज्यादा मसाले वाली चीजें खाने से सीने में जलन होने लगती है, लेकिन रात में एक केला खाने से जलन की समस्या दूर हो सकती है। इसके साथ ही मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा के कारण केला आसानी से पच जाता है, जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म दुरुस्त रहता है।

केले में पोटैशियम की मात्रा अधिक और सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए यह ब्लड सर्कुलेशन और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में कारगर होता है। केले में खास तरह के प्रोबायोटिक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जो खाने से कैल्शियम को मात्रा को सोखते हैं। कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाती है और उम्र बढ़ने के साथ ही हड्डियों से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं को भी दूर रखती है। अगर आप फिर भी रात में केले का सेवन नहीं छोड़ना चाहते तो आप उसका सेवन कर सकते हैं, क्योंकि केले का सेवन रात में करने से किसी भी तरह का नुकसान नहीं होता, लेकिन कभी कभी आपको इसका त्याग करना जरूरी है। आप जब सर्दी, खासी, अस्थमा या फिर वजन कम कर रहे हों तो आपको केले का सेवन छोड़ना होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 3952

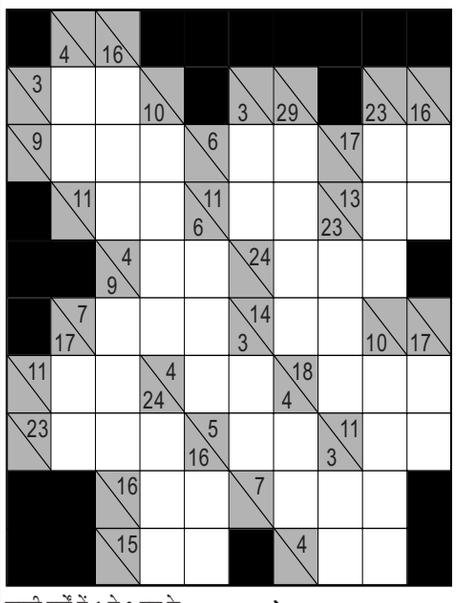

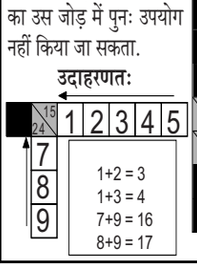

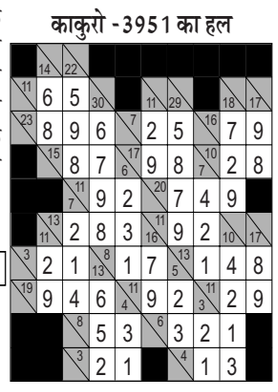

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

15 / 24: 1 2 3 4 5; 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -3951 का हल

लॉफिंग ज़ोन

दो मित्र आपस में बात कर रहे थे। एक मित्र ने कहा- 'यार, जब मैं सूट पहनकर सब्जी लेने जाता हूँ तो दुकानदार मुझे महँगी सब्जी देता है और जब गंदे कपड़े पहनकर जाता हूँ तो सस्ती देता है।'

दूसरे मित्र ने सुझाव दिया- 'यार तुम कटोरा लेकर जाया करो, मुफ्त में ही दे देगा।'

अपनी पत्नी के चिड़चिड़े और गुस्सैल स्वभाव से परेशान रमन एक बार किसी महात्मा के दर्शन के लिए और महात्मा से पूछा- महाराज, कोई ऐसा उपाय बताइए जिससे मेरी पत्नी हर बात में क्लेश और अपना चिड़चिड़ापन छोड़ दें।

महात्मा ने बड़े इत्मीनान से जवाब दिया- बेटे! अगर इसका उपाय मुझे पता होता तो मैं संन्यास ही क्यों लेता।

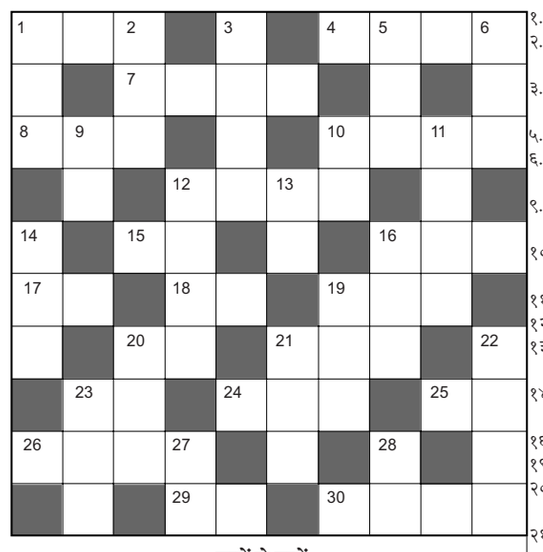

पत्नी ने उलाहना देते हुए पति से कहा- 'क्योंजी, आप तो विवाह से पहले कहा करते थे कि तुम्हारी छोटी से छोटी इच्छा पूरी करूँगा।'

पति- 'हाँ, पर अब तक राह देख रहा हूँ कि तुम्हारी कौन-सी इच्छा इतनी छोटी है, जिसे मैं पूरी कर सकूँगा।'

फिल्म वर्ग पहेली- 3952

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3951

सूडोकु -3952

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3951 का हल

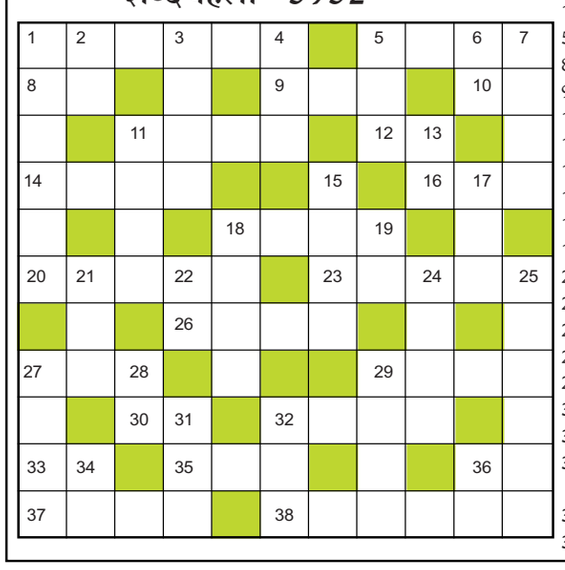

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 3952

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली -3951 का हल

कहानी ऐसी हो जो सोचने पर मजबूर करे

पिछले काफी वक्त से जॉन अब्राहम रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनने वाली मुंबई के पूर्व कमिश्नर राकेश मारिया की बायोपिक को लेकर चर्चाओं में हैं। हाल ही में जॉन अब्राहम ने राकेश मारिया का किरदार निभाने और असल जिंदगी के लोगों को पर्दे पर उतारने की जिम्मेदारी के बारे में बात की। साथ ही उनका मानना है कि सिनेमा का काम सिर्फ मनोरंजन करना नहीं है। इसे फिल्म खत्म होने के बाद भी दर्शकों के जेहन में बने रहना चाहिए।

फिल्म ऐसी हो जो खत्म होने के बाद भी आपके अंदर रह जाए

बातचीत के दौरान जॉन ने कहा कि दमदार कहानी कहने का तरीका ऐसा होना चाहिए, जो मनोरंजन करे, सोचने पर मजबूर करे और फिल्म खत्म होने के बाद भी दर्शकों के मन में बसी रहे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हर कहानी आपको कुछ न कुछ देकर जानी चाहिए। मनोरंजन जरूरी है, सिनेमा को हमेशा आपको जोड़े रखना चाहिए। लेकिन अगर कोई फिल्म थिएटर से निकलने या उसे देखने के बाद भी आपके साथ बनी रहती है, तो यह और भी अच्छी बात है। मैं प्रोजेक्ट्स इसलिए नहीं चुन रहा हूं कि वे कोई खास बात कहना चाहते हैं।

राकेश मारिया का किरदार निभाने के लिए उत्सुक हूं

मुंबई के पूर्व कमिश्नर राकेश मारिया की बायोपिक को लेकर भी जॉन अब्राहम ने बात की। उन्होंने कहा कि राकेश मारिया का करियर हमारे देश के इतिहास की कुछ अहम घटनाओं से जुड़ा रहा है, इसलिए उन्हें पर्दे पर उतारने में एक बड़ी जिम्मेदारी का एहसास होता है। जब आप किसी असली इंसान का किरदार निभाते हैं, तो मकसद उनकी नकल करना नहीं होता, बल्कि उनकी पब्लिक इमेज के पीछे छिपे असली इंसान को समझना होता है। इसका मतलब है रिसर्च में काफी समय बिताना, उनकी सोच को समझना, उन पर आए दबावों और उनके द्वारा लिए गए फैसलों को जानना। राकेश मारिया का किरदार निभाना एक चुनौती है और मैं इसे पूरी ईमानदारी से निभाने के लिए उत्साहित हूं।

बड़े स्टार नहीं दमदार कहानी जरूरी

निमृत कौर अहलूवालिया ने 'अब होगा हिसाब' से अपना डिजिटल डेब्यू किया है। अपने अनुभव को लेकर निमृत ने खास बातचीत की।

आप इस प्रोजेक्ट से कैसे जुड़ीं?

यह बात सितंबर 2025 की है। मैं जब टीवी से जुड़ी थी, तब भी ओटीटी के कुछ क्रिएटर्स के साथ काम कर रही थी। जब यह कहानी लिखी जा रही थी, तभी उनके मन में मेरा नाम आया। फिर उन्होंने मेरा नाम सीरीज के मेकर्स को बताया, जिसके बाद मेरा ऑडिशन हुआ। और फिर मैं इस सीरीज से जुड़ गई।

किरदार की तैयारी किस तरह से की?

मुझे निजी जीवन में भी ऐसे किरदार बहुत अच्छे लगते हैं, जिनकी जिंदगी में बहुत उथल-पुथल हो। क्योंकि कोई इंसान उस स्थिति में कैसा बर्ताव करेगा और उससे कैसे बाहर आएगा, यह देखना मुझे दिलचस्प लगता है। इसलिए मुझे लगा कि इस किरदार में काफी कुछ है, जिसे पर्दे पर अच्छे से निभाया जा सकता है और इसकी कई परतें खोली जा सकती हैं। रही बात इसकी तैयारी की, तो हमारा काम ही किरदार की तैयारी करना है। जाने-अनजाने हमारी तैयारियां हमेशा चलती रहती हैं।

ओटीटी को लेकर आपके क्या विचार हैं?

यह बहुत अच्छी बात है कि एक फॉर्मेट में इतने सारे लोगों को काम मिल रहा है और उससे लोगों के घर भी चल रहे हैं। ओटीटी की वजह से बड़ी संख्या में एक्टर, डायरेक्टर, राइटर आदि को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है। यह काम इस प्लेटफॉर्म ने बहुत अच्छी तरह किया है। मेरी बस यही इच्छा है कि अच्छी-अच्छी कहानियां बनती रहें। वहीं इसने लोगों को यह एहसास भी दिलाया कि काम तो चलता ही रहेगा, लेकिन परिवार के साथ बैठकर कुछ समय बिताना भी जरूरी है।

क्या आजकल कंटेंट को कास्ट से ज्यादा महत्व मिल रहा है?

मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूं। फिल्म का असली हीरो उसकी कहानी होती है। क्योंकि कोई कितनी भी मेहनत कर ले या कितना भी बड़ा नाम क्यों न हो, अगर कहानी अच्छी नहीं होगी तो फिल्म नहीं चलेगी।

बचपन का अनुशासन बॉलीवुड में काम आया

अभिनेत्री संजना सांघी अपनी अपकमिंग फिल्म 'हिटमैन' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी जिंदगी के सफर का जिक्र करते हुए मुश्किलों का सामना करने की हिम्मत, अनुशासन और अनिश्चितताओं को अपनाने के बारे में बात की। 'रॉकस्टार', 'दिल बेचारा' और 'कड़क सिंह' जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं इस अभिनेत्री ने उन अनुभवों के बारे में बताया।

शुरुआत को याद करते हुए संजना ने बताया कि एक्टिंग उनकी जिंदगी में अचानक आई। उन्होंने कहा, 'जब मैं स्कूल में डांस सीख रही थी, तो मैं सिर्फ इसलिए डांस करती थी क्योंकि मुझे यह पसंद था। मैं एनुअल फंक्शन में परफॉर्म करती थी। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं एक्टिंग करूंगी। जब मैं सिर्फ 13 साल की थी, तब बॉलीवुड के एक बड़े कास्टिंग डायरेक्टर मेरे स्कूल आए और मुझे एक फिल्म में कास्ट किया।'

रणवीर के साथ किया काम

'रॉकस्टार' में एक्टिंग करने को लेकर उन्होंने कहा '13 साल की उम्र में, बिना किसी एक्टिंग अनुभव के भी, भारत के सबसे बड़े मेल स्टार्स में से एक के सामने खुद को मजबूती से पेश कर पाने की वजह वह मेहनत, अनुशासन और विनम्रता थी जो डांस ने मुझमें पैदा की थी।'

11 तक नहीं रिलीज हुई फिल्म

उन्होंने टीनएज में मिली अपनी सबसे बड़ी निराशाओं में से एक के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा 'जब मैं 17 साल की थी और 12वीं क्लास में थी, तो मुझे एक फीचर फिल्म में पहला लीड रोल मिला। वह मेरे स्कूल का आखिरी साल भी था और उन ग्रेड्स से मेरा भविष्य तय हो सकता था। मैंने अपने सपनों के कॉलेज में दाखिला लेने की कोशिश के साथ-साथ फिल्म करने का फैसला किया। मुझे वह कॉलेज मिल गया, जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था, लेकिन वह फिल्म 11 साल तक रिलीज ही नहीं हो पाई। बड़ी होते हुए, मैं फिल्में देखती थी और सपना देखती थी कि एक दिन मैं भी उस स्क्रीन पर नजर आऊंगी।'

क्वीन 2 में नए अंदाज के साथ लौटेंगी कंगना रनौत

कंगना रनौत की फिल्म 'क्वीन 2' का शूटिंग शेड्यूल पूरा हो चुका है। फिल्म अब पोस्ट-प्रोडक्शन फेज में एंट्री कर चुकी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार यह फिल्म 2014 में आई 'क्वीन' की कहानी को आगे नहीं बढ़ाती, बल्कि उसी विचारधारा को एक नए जीवन परिदृश्य में पेश करती है। इस बार कहानी का केंद्र किसी विदेशी यात्रा या आत्म-खोज की शुरुआत नहीं होगा, बल्कि शादीशुदा जीवन, जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने के संघर्ष पर होगा। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, इस बार कहानी पूरी तरह मुंबई में ही घटित होती है और इसकी लगभग 100 प्रतिशत शूटिंग भी मुंबई के विभिन्न आउटडोर और रियल लोकेशंस पर की गई है। सूत्रों का कहना है कि 'क्वीन 2' को सीधे तौर पर पहली फिल्म का सीक्वल नहीं कहा जा सकता। कहानी पहले भाग की घटनाओं को आगे नहीं बढ़ाती और न ही वही किरदार उसी यात्रा पर आगे बढ़ते दिखाई देंगे। हालांकि फिल्म में पहले पार्ट का रेफरेंस या कुछ इमोशनल हिंट देखने को मिल सकते हैं, जिनसे यह समझाया जा सकता है कि एक स्वतंत्र सोच वाली युवती समय के साथ वैवाहिक जीवन में किस तरह प्रवेश करती है और उसके बाद उसके जीवन में क्या बदलाव आते हैं। यानी फिल्म का संबंध कहानी से अधिक उसके मूल विचार व्यक्तिगत आजादी और आत्मसम्मान बताया जा रहा है। पहली फिल्म में यूरोप की यात्रा कहानी का अहम हिस्सा थी। वहीं 'क्वीन 2' में पूरी कहानी मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। सूत्रों ये भी बताते हैं कि फिल्म का हर प्रमुख शेड्यूल मुंबई में ही शूट किया गया है। निर्माताओं ने स्टूडियो सेट की बजाय रियल लोकेशंस का अधिक उपयोग किया ताकि शहर की जीवनशैली और मध्यवर्गीय फैमिली के माहौल को अधिक रियलिस्टिक तरीके से पेश किया जा सके। फिल्म में आउटडोर लोकेशंस की संख्या भी काफी अधिक बताई जा रही है।

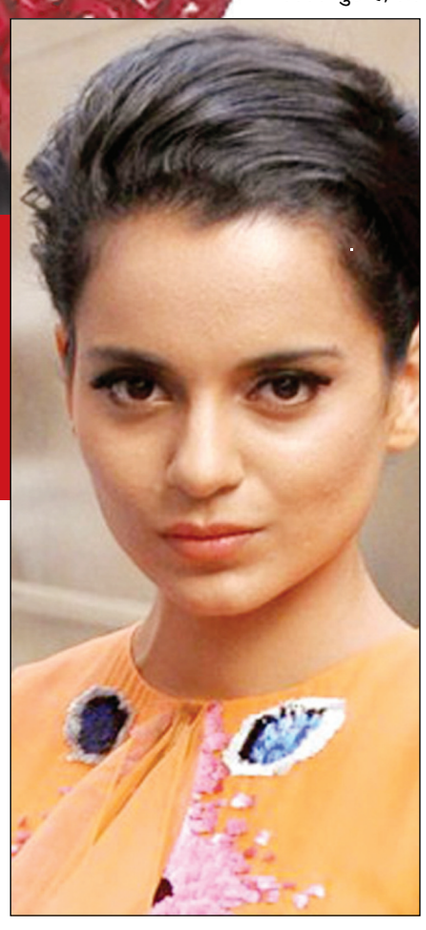

'तनु वेड्स...' से अलग कोशिश

वैवाहिक जीवन पर बेस्ड कंगना पहले आर. माधवन के साथ 'तनु वेड्स मनु' भी कर चुकी हैं। सूत्रों का कहना है कि 'क्वीन 2' का दृष्टिकोण उससे अलग है। जहां कई फिल्में पति-पत्नी के रिश्तों में टकराव या रोमांटिक उतार-चढ़ाव पर केंद्रित रहती हैं, वहीं 'क्वीन 2' एक महिला की शादी के बाद के जीवन को नई तरह से पेश करने वाली है। कंगना का अंदाज भी इसमें कुछ अलग होगा।

उत्तराखंड के टनल रेस्क्यू मिशन पर बनने जा रही 'सिलक्यारा 41', आमिर-कबीर आए साथ

उत्तराखंड के सिलक्यारा टनल रेस्क्यू की सच्ची और प्रेरणादायक कहानी अब बड़े परदे पर दिखाई जाएगी। आमिर खान प्रोडक्शंस, ऑस्ट्रेलिया की माइंड ब्लोइंग फिल्म्स और कबीर खान फिल्म्स ने मिलकर नई फिल्म 'सिलक्यारा 41' बनाने की अनाउंसमेंट की है। यह फिल्म साल 2023 में हुए उस ऐतिहासिक रेस्क्यू ऑपरेशन पर बेस्ड होगी, जिसमें सुरंग के अंदर 17 दिनों तक फंसे 41 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया था। इस रेस्क्यू मिशन ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। फिल्म में ऑस्ट्रेलिया के मशहूर टनल एक्सपर्ट प्रोफेसर अर्नोल्ड डिक्स की अहम भूमिका भी दिखाई जाएगी। उन्होंने इस मिशन में महत्वपूर्ण सलाह देकर रेस्क्यू अभियान को सफल बनाने में बड़ा योगदान दिया था। फिल्म की कहानी ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध लेखक एंड्रयू अनास्तासियोस ने लिखी है, जबकि इसका निर्देशन कबीर खान करेंगे।

कहानी से प्रभावित हुए आमिर

आमिर ने इस मौके पर कहा कि सिलक्यारा रेस्क्यू की कहानी ने उन्हें बहुत प्रभावित किया। उनके अनुसार यह सिर्फ एक हादसे की कहानी नहीं है, बल्कि साहस, धैर्य, उम्मीद और इंसानियत की मिसाल है। इस कहानी को बड़े परदे पर लाना उनके लिए सम्मान की बात है। फिल्म की स्टारकास्ट का ऐलान नहीं किया गया है।

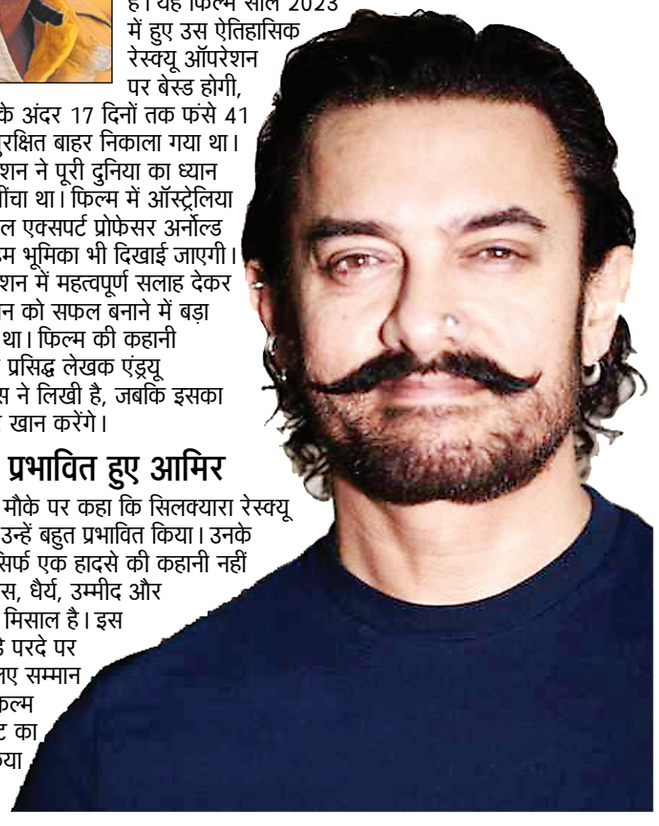

स्टंट करने के मामले में बेहद सावधानी बरतते हैं पृथ्वीराज सुकुमारन

पृथ्वीराज सुकुमारन अपने एक्शन सीन खुद करने के लिए मशहूर हैं। मगर, अब वे हैरतअंगेज स्टंट करने के मामले में बेहद सावधानी बरतते हैं और इससे दूरी बनाकर रखते हैं। इसकी वजह साल 2023 का एक हादसा है। एक्टर ने हाल ही में इस बारे में बात की।

अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन इन दिनों फिल्म 'आई, नोबडी' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो 09 जुलाई को रिलीज हुई है। पृथ्वीराज ने हाल ही में एक्शन स्टंट को लेकर कहा कि साल 2023 में स्टंट के दौरान लगी चोट ने उन्हें फिल्म 'आई, नोबडी' में एक्शन सीन करने के उनके नजरिए को बदल दिया। उन्होंने बताया कि उस हादसे और सेट पर लगी एक और चोट ने उन्हें इसमें शामिल जोखिमों और जिम्मेदारियों की याद दिलाई।

हादसे ने बदल दिया पूरा तरीका

पृथ्वीराज सुकुमारन ने साल 2023 में हुए उस स्टंट हादसे के बारे में बात की है, जिसने एक्शन सीन करने के उनके तरीके को बदल दिया। एक्टर ने बताया कि उनके बाएं पैर में टाइटेनियम के तीन स्क्रू लगे हैं। एक्टर ने कहा कि इस चोट ने उन्हें एहसास कराया कि पल भर की एक दुर्घटना न सिर्फ उन पर, बल्कि पूरे फिल्म प्रोडक्शन पर असर डाल सकती है।

बाएं घुटने में लगी थी गंभीर चोट

अभिनेता ने अपनी क्राइम थ्रिलर 'आई, नोबडी' के प्रमोशन के दौरान हाल ही में 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करते हुए कहा कि वे अपने एक्शन सीन खुद करने के लिए जाने जाते हैं, लेकिन अब वे खतरनाक स्टंट करने को लेकर बहुत ज्यादा सावधान हो गए हैं।

उस हादसे के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं साल 2023 में एक और फिल्म की शूटिंग कर रहा था। मेरी पहचान है कि मैं अपने एक्शन सीन खुद करता हूं। एक स्टंट सीन करते समय मेरा एक्सीडेंट हो गया और मेरे बाएं घुटने में काफी गंभीर चोट आई। मुझे तीन सर्जरी करवानी पड़ीं और अब मेरे बाएं पैर में टाइटेनियम के तीन स्क्रू लगे हैं'।

सालभर के लिए रोकनी पड़ी फिल्म की शूटिंग

अभिनेता ने आगे कहा कि हादसे का असर सिर्फ उनकी सेहत पर नहीं पड़ा, बल्कि फिल्म पर भी हुआ। उन्होंने कहा, 'उस फिल्म का काम एक साल के लिए रोकना पड़ा था। बहुत सारा पैसा बर्बाद हुआ और कई लोगों को एक साल तक इंतजार करना पड़ा, इसलिए अब यह जिम्मेदारी मेरे दिमाग में रहती है'। पृथ्वीराज ने 'आई, नोबडी' की शूटिंग के दौरान हुए एक और हादसे को भी याद किया और कहा कि इससे एक्शन फिल्म बनाने में शामिल जोखिमों का पता चलता है। उनके मुताबिक, एक स्टंट करने वाले को गंभीर चोट लगी थी और उसकी गर्दन के पीछे 37 टांके लगाने पड़े थे।

'आई, नोबडी' पर भी हुआ हादसा

एक्टर ने कहा, 'सेट पर हमारे एक फाइटर को चोट लग गई और उनकी गर्दन के पीछे 37 टांके लगाने पड़े। ऐसी चीजें हो जाती हैं। इसीलिए मैं कह रहा हूं, सोचिए अगर वह शॉट मैं कर रहा होता और मेरे साथ ऐसा होता, तो मुझे छह महीने के लिए घर बैठना पड़ता'। इतनी गंभीर चोट के बावजूद पृथ्वीराज ने कहा कि उन्हें अभी भी एक्शन सीन की शूटिंग करना पसंद है। उन्होंने स्टंट कोऑर्डिनेटर यानिक बेन और उनकी टीम को असल लगने वाले एक्शन सीन डिजाइन करने का श्रेय दिया, जिसमें कलाकारों से काफी मेहनत करवाई गई और हर सीन को असली जैसा दिखाया गया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।